अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 233 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 18 अगस्त 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

सुरक्षित निकाले जाएं सभी भारतीय : पीएम मोदी

हिन्दू-सिखों और अफगानी नागरिकों को भी मिलेगी शरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से उपजे हालात को लेकर मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्यॉरिटी (सीसीएस) की बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने अधिकारियों को अफगानिस्तान से सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अफगानिस्तान से भारत आने के इच्छुक सिख, हिंदू अल्पसंख्यकों को शरण देने के लिए कहा गया है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को भारत से मदद की उम्मीद कर रहे अफगान नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर हुई इस अहम बैठक के बाद अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, अफगानिस्तान में भारत के राजदूत आर टंडन सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को अफगानिस्तान से सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने और अफगानिस्तान से भारत आने के इच्छुक सिख, हिंदू अल्पसंख्यकों को शरण देने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को भारत से मदद की उम्मीद कर रहे अफगान नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत सभी भारतीयों की अफगानिस्तान से सकुशल वापसी को लेकर प्रतिबद्ध है और काबुल हवाईअड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों की बहाली होते ही वहां फंसे अन्य भारतीयों को स्वदेश लाने का प्रबंध किया जाएगा। काबुल पर कब्जे के बाद तालिबान ने लचीला रुख अपनाते हुए पूरे अफगानिस्तान में 'आम माफी' की घोषणा की और महिलाओं से उसकी सरकार में शामिल होने का आह्वान किया। इसके साथ ही तालिबान ने लोगों की आशंका दूर करने की कोशिश है, जो एक दिन पहले उसके शासन से बचने के लिए काबुल छोड़कर भागने की कोशिश करते दिखे थे और जिसकी वजह से हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा होने के बाद कई लोग मारे गए थे।

केरल के पूर्व सीएम ओमन चंडी और केसी वेणुगोपाल पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप, सीबीआई ने दर्ज किया मामला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल, केरल के पूर्व सीएम ओमन चांडी, कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश, हिबी ईडन और कांग्रेस विधायक एपी अनिल कुमार के खिलाफ कथित यौन शोषण के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सौर घोटाला मामले में एक महिला उद्यमी ने ये आरोप लगाए हैं। एफआईआर में बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एपी अब्दुल्लाकुट्टी का भी नाम है। सीबीआई ने तिरुवनंतपुरम और कोच्चि में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआई की तिरुवनंतपुरम इकाई मामले की जांच कर रही है। इससे पहले राज्य सरकार ने मामले सीबीआई को सौंपे थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि जब वह सौर परियोजनाओं से उन्हें अवगत कराने के लिए उनसे मिलने गई तो आरोपियों ने उनका यौन शोषण किया।

कश्मीर में एक और बीजेपी नेता का कत्ल, उमर अब्दुल्ला बोले- डरावनी खबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर में मंगलवार दोपहर अज्ञात बंदूकधारियों ने एक भाजपा नेता जावीद अहमद दार की गोली मारकर हत्या कर दी। पिछले एक सप्ताह में दक्षिण कश्मीर में किसी भाजपा नेता की यह दूसरी हत्या है। आतंकियों ने होमशालीबाग में उनके घर के बाहर गोली मारी। घटना के बाद आनन-फानन में बीजेपी नेता को अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 साल के जावेद को कई गोलियां लगीं थी। बीजेपी नेता की हत्या पर पार्टी के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कुलगाम में पार्टी ने नेता की हत्या की पुष्टि की।

पाण्डेय इंटरप्राइजेज
Suhana INDIAN GRAVY
TASTEMAKERS OF INDIA SINCE 1962
मटर पनीर मिक्स
MUTTER PANEER MIX
A true mix for North Indian delicacy with paneer and green peas.
COMPLETE SPICE MIX JUST ADD Tomato, Peas & Paneer
EXPRESS COOK
प्रो0 नितेन्द्र पाण्डेय
मो. 99364645661
सदर, मोहाल, गोपीगंज, भदोही-221301

पाण्डेय इंटरप्राइजेज
SANTOOR
The secret of younger looking skin
प्रो0 नितेन्द्र पाण्डेय
मो. 99364645661
SANTOOR Total Skin Care
सदर, मोहाल, गोपीगंज, भदोही-221301

योगी सरकार ने बलिया जेल के अधीक्षक व जेलर निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बलिया जेल में अनियमितताएं पाए जाने पर कारागार अधीक्षक डॉ. यूपी मिश्रा को निलंबित कर दिया है। साथ ही जेलर अंजनी कुमार गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही अन्य दोषियों के खिलाफ भी डीजी जेल को निर्देश दिए गए है। उन्हें बलिया जेल के निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने के कारण निलंबित किया गया है। उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1990 के नियम-सात के तहत विभागीय कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए हैं। अवनीश अवस्थी ने बताया कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने 8 अगस्त को जिला जेल का निरीक्षण किया था और निरीक्षण के दौरान जेल में आपत्तिजनक सामग्री मिली थी और अनियमितता पाई गई थी।

बढ़ते केसों पर जेपी नड्डा ने कसा तंज

केरल का वह चर्चित कोरोना मॉडल कहां गया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़े हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय जेपी नड्डा ने राज्य में बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर पिनरई विजयन सरकार पर तंज कसा है। जेपी नड्डा ने कहा कि केरल में 20,000 औसतन केस आ रहे हैं। कोविड प्रबंधन को लेकर काफी बात की जा रही थी अब वो चर्चित कोरोना प्रबंधन का मॉडल कहां गया? जेपी नड्डा ने पिनरई विजयन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केरल की सरकार ने कोविड-19 महामारी से लड़ने में अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई। केरल के कोझीकोड में पार्टी के नए जिला कार्यालय का उद्घाटन करते हुए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सोमवार को केरल को स्पेशल पैकेज दिया है ताकि कोरोना से

जंग लड़ी जा सके। भाजपा प्रमुख ने कहा कि 'इस कोविड महामारी में राज्य सरकार को जो भूमिका निभानी चाहिए केरल में वो नहीं किया गया। केरल की जनसंख्या 3.58 करोड़ है और यहां 38 लाख कोविड मामले सामने आ चुके हैं जबकि उत्तर प्रदेश में 22.9 करोड़ जनसंख्या पर 17 लाख कोविड मामले सामने आए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस वक्त केरल में मौजूद हैं। उनके इस दौरे को लेकर जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी केरल में राजनीतिक यात्रा पर आए हैं। दिल्ली में नाबालिग लड़की के मामले पर राजनीति नहीं होना चाहिए। दरअसल राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। मंगलवार को उनके दौरे का दूसरा दिन है।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK
PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

समीर जनरल स्टोर
निःशुल्क फ्री होम डिलेवरी
प्रो0 हरि मंगल सिंह
मो. 7905259043
पता- बधवा ताहिरपुर, त्रिवेणीपुरम्, झूंसी, प्रयागराज

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम - 8318174147 अनमोल- 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

शशि थरूर ने जताया संदेह

अफगानिस्तान में आतंक मचाने वाले तालिबानियों में दो भारतीय भी शामिल!

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अफगानिस्तान में आतंक मचाने वाले तालिबानियों में भारत के भी दो लोगों के शामिल होने की आशंका जताई है। ये दोनों ही शख्स केरल प्रांत के रहने वाले हैं। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने एक वीडियो ट्वीट किया है, जिसमें इन दोनों लोगों के हाथों में बंदूकें है और वे मलयाली भाषा में बात कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए शशि थरूर ने लिखा, 'इन्हें सुनकर ऐसा लगता है कि वहां दो मलयाली तालिबान भी मौजूद हैं। इनमें से एक ने 8 सेकेंड तक मलयाली में बात की और दूसरा व्यक्ति उसकी बात को समझता दिख रहा है।' शशि थरूर ने 15 अगस्त को इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया था। वीडियो में दिखता है कि काबुल के बाहरी इलाके में पहुंचने पर तालिबानी लड़ाके खुशी में रोते दिख

रहे हैं। इसके कुछ घंटों के बाद ही उन्होंने काबुल पर कब्जा जमा लिया था। हालांकि शशि थरूर ने रमीज नाम के जिस शख्स की ओर से ट्वीट किए गए वीडियो को शेयर किया था, उसकी ओर से ही यह अनुमान लगाया गया कि ये केरल के लड़ाके नहीं हैं। रमीज ने लिखा, 'ये केरल मूल के लड़ाके नहीं दिखते। ये जाबुल प्रांत के बलूच लगते हैं, जो ब्राहवी भाषा बोल रहे हैं। यह भाषा भी द्रविड़ियन परिवार की है और बलूचों की भाषा है। यह तेलुगु, तमिल और मलयालम से मिलती जुलती है। रमीज की इस पोस्ट को भी शशि थरूर ने शेयर किया है। थरूर ने लिखा, 'रोचक विश्लेषण। हम इस मामले को भाषाविदों पर ही छोड़ते हैं। लेकिन ऐसा हो सकता है कि ये मिसगाइडेड मलयाली हों, जिन्होंने तालिबान जॉइन कर लिया है।

नॉर्थ ईस्ट को 'कांग्रेस मुक्त' करने वाली बीजेपी को मिल रही टीएमसी से चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बड़ी जीत के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब पूर्वोत्तर में भाजपा को चुनौती दे रही है। तृणमूल से इस मिशन की कमान भाजपा से वापस तृणमूल कांग्रेस में गए मुकुल राय व ममता बनर्जी के भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी संभाल रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा से असम के मुख्यमंत्री व नार्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक एलायंस (नेडा) के प्रमुख हेमंत विस्वा सरमा कमान संभाले हुए हैं।भाजपा ने बीते सालों में मिशन मोड में काम कर पूर्वोत्तर को कांग्रेस मुक्त (किसी राज्य में सरकार नहीं) कराया था। इसके बाद कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है। असम समेत विभिनन्-राज्यों में उसके प्रमुख नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। भाजपा के इस मिशन में हेमंत विस्वा सरमा के साथ मुकुल राय का भी प्रमुख हाथ रहा था। मुकुल राय के चलते ही कई जगह तृणमूल के नेता भाजपा के साथ आए थे।

Reg. No. U01400UP2021PTC147142
स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा अकरकरा
प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर
निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

संक्षेप

जन आशीर्वाद यात्रा आज 12 बजे वारी में, मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल

प्रतापपुर। जन आशीर्वाद यात्रा आज 12 बजे वारी तिराहे पर पहुंचेगी जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल होगीं। यह जानकारी भाजपा मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रतापपुर राजकुमार राजा मौर्य ने देते हुए अनुरोध किया है कि प्रतापपुर व जंघई मंडल के भाजपा अपना दल के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता समय पर पहुँच कर कार्यक्रम को सफल बनायें।

सहसों चौराहे पर केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत आज

सहसों। भारतीय जनता पार्टी के सहसों कार्यालय पर भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल का बुधवार को सहसों चौराहे पर आगमन को लेकर उनके भव्य स्वागत अभिनंदन की राजनीति पर कार्यकताओं ने विचार विमर्श किया तथा उनके भव्य स्वागत अभिनंदन की रूपरेखा तैयार की। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेंद्र सिंह पटेल, अनिल सरोज, सत्यम हिंदू, पवन शुक्ला,संजय सिंह, चंद्रेश केसरवानी , विष्णू केसरवानी, मधु शुक्ला, रंजना सिंह परिहार, जितेंद्र पटेल, प्रमोद शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

राजसोनी बने उज्ज्वल भारत अभियान के प्रदेश मंत्री

प्रतापपुर। विधानसभा के उग्रसेनपुर उर्फ बीबीपुर निवासी समाजिक कार्यकर्ता राजसोनी को उज्जवल भारत अभियान का प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया।यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष पारस मृदुल ने किया है।राजसोनी ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के प्रति आभार जताते हुए कहा मैं पूरी ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन करूँगा। प्रियांशू यादव,चंचल पांडेय,अखिलेश यादव,रुद्रप्रताप सिंह,संजय शुक्ला,राहुल यादव,सहित सैकड़ों लोगो ने बधाई दिया।

अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर गैंग का सदस्य शराब के साथ गिरफ्तार, चार फरार

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर पुलिस ने मंगलवार के दिन इलाके से एक कार में लादकर जा रहे भारी मात्रा में अवैध स्प्रिट ,अपमृश्रित शराब व शराब बनाने के उपकरण के साथ अन्तरार्जीय शराब तस्कर गैंग के एक आरोपी को पकड़ लिया। जबकि चार अन्य पुलिस को चकमा देकर भाग निकले ।पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया ।

घूरपुर एसओ घूरपुर राजेश उपाध्याय मंगलवार की शाम लगभग सवा चार बजे हाईवे पर गस्त पर थे । तभी सूचना मिली कि एक स्विफ्ट कार में अवैध शराब व स्प्रिट लादकर तस्कर घूरपुर की ओर से रीवा की ओर जा रहें है । सूचना मिलते ही एसओ अपने हमराहियों के साथ हाईवे पर घेरे बंदी कर ली । इसी बीच कार आती दिखाई दी ।जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो कार चालक कार लेकर भागने लगा । पुलिस टीम ने घेरकर रोका तो कार से उतर सभी भागने लगे । पुलिस ने गैंग के सरगना को पकड़ लिया । पुलिस कार सहित तस्कर को थाने ले गई ।कार तलाशी की गई तो उसमें छ ड्रम स्प्रिट,80 लीटर अपमिश्रित शराब ,चार पेटी मसालेदार क्वाटर,76 खाली शीशी,शराब में मिश्रण करने के लिए नौसादर,यूरिया ,गुण व छ हजार रुपये शराब बिक्री का बरामद किया । पुलिस ने पकड़े गए आरोपी राकेश केसरवानी निवासी बोंगी थाना घूरपुर के खिलाफ कई संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया। फरार आरोपियों में कार्तिक पांडेय निवासी बिरवल,उमाशंकर जायसवाल निवासी बड़हा ,कौंधियारा,प्रदीप पटेल निवासी शंकरगढ़, आशीष पटेल शंकरगढ़ हैं।जिनके खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर किया है।

अन्तर्राज्यीय गिरोह का एक सदस्य शराब के साथ पुलिस की गिरफ्त में

अवैध बालू परिवहन करते तीन ट्रैक्टर पकड़ किया सीज

घूरपुर। घूरपुर पुलिस ने अवैध बालू परिवहन करते तीन ट्रैक्टर मय ट्राली पकड़ कार्रवाई करते सीज कर दिया। मंगलवार की सायांकल घूरपुर एसओ राजेश उपाध्याय ने इलाके के अमिलिया गांव के हाईवे के तिराहे पर अवैध बालू परिवहन करते तीन ट्रैक्टर मय ट्राली रोक जांच पड़ताल किया तो कोई भी बालू परिवहन का दस्तावेज चालक नहीं दिखा सका। जिस पर पुलिस तीनों ट्रैक्टर को थाने उठा लाई और कार्रवाई करते हुए सीज कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध बालू परिवहन संचालकों में खलबली मच गई।

प्रतापगढ़ और जौनपुर से अवैध स्प्रिट ले आकर बनाते थे कई किस्म की शराब

घूरपुर। पकड़े गए तस्कर गैंग के सरगना राकेश केसरवानी ने पुलिस की पूंछतांछ में बताया कि उनका गैंग प्रतापगढ़ व जौनपुर जनपद के स्प्रिट की दुकानों से स्प्रिट खरीदकर लाता है और स्प्रिट से ही कई किस्म की शराब को तैयार कर शीशियों में भर एमपी सहित आस पास के इलाकों के दुकानदारों को बेचते थे ।

अफगानी छात्रों को सता रहा तालिबान का खौफ प्रयागराज से फोन पर घरवालों से पूछ रहे हाल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अफगानिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा के हालात के बीच इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत 12 छात्रों की चिंता अब बढ़ गई है। फिलहाल वह वतन वापसी नहीं चाहते हैं। अब वह उच्च शिक्षा के लिए वीजा बढ़ाने की कोशिश में लग गए हैं। चैथम लाइन स्थित इंटरनेशनल हास्टल में रहने वाले यह अफगानी छात्र लगातार अपने परिवार से संपर्क में हैं। साथ ही उनसे वहां के हालात के बारे में भी जानकारी ले रहे हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत पूराघीसन वि.खं. करछना, प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021.22 में ग्राम पंचायत पूराघीसन विकास खंड करछना में कराए जाने वाले कार्यों मनरेगा, राज्यवित्त 15 वा वित्त, हैंडपंप मरम्मत व रिबोर, नाली खड़ंजा निर्माण व मरम्मत शौचालय निर्माण सामुदायिक शौचालय निर्माण व मरम्मत साथ ही अन्य निर्माण कार्य / मरम्मत में प्रयुक्त होने वाली सामग्री के लिए निविदा आमंत्रित की जाती हैं विकास खंड की पंजीकृत फर्में दिनांक 18/08/2021 से 25/08/2021 तक आवेदन कर सकती है । निविदा दिनांक 28/08/2021 को 12:00 बजे दिन को ग्राम पंचायत में खोली जाएगी ।

संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अवधि
1	अंतेष्ठी अस्थल	250000 लाख	1 माह

हंसराज सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत पूराघीसन
विकास खण्ड – करछना
प्रयागराज

महेश कुमार
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पूराघीसन
विकास खण्ड – करछना
प्रयागराज

करछना विकास खंड के नेशनल कान्वेंट प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल गधियाव में स्वतंत्रता दिवस पर प्रबन्धक रिजवान अहमद व प्रधानाचार्य रिजवाना बानों ने प्रधान ग्राम पंचायत गधियाव धीरेन्द्र कुमार यादव की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया और विद्यालय की ओर से उन्हें मिठाईयाँ बाटी गयी ।

करछना ,स्वतंत्रता दिवस पर श्री मतीः इन्दिरा गांधी बिद्यालय जगौती में झण्डा रोहण बिद्यालय के पब्रन्धक डा दिनेश कुमार सोनी ने किया।

घूरपुर स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के पूर्व वीर सपूतों के चित्र पर माल्यार्पण करते गणमान्या

कार्यालय ग्राम पंचायत रामगढ़ करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 7–08–2021 से दिनांक 23–08–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत रामगढ़ में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 23–08–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 23–08–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	पक्की सड़क से रामसजीवन के घर तक खडंजा मरम्मत कार्य	(2.50)	3 माह
2.	हरीला के घर से संतोष भारतीय के घर तक नाली निर्माण	(2.50)	3 माह

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत सचिव/
टेण्डर/कोटेशन/2020–21/दिनांक

(रविचंद)
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत
करछना प्रयागराज।

निःशुल्क खाद्यान्न की बोरियों में प्लास्टिक का चावल निकलने पर क्षेत्र में रहा चर्चा का विषय

निःशुल्क खाद्यान्न की बोरियो में प्लास्टिक का चावल निकलने से क्षेत्र में हडकम्प

अखंड भारत संदेश

पचदेवरा गांव के कोटेदार ने एसडीएम करछना से की शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र के पचदेवरा सरकारी राशन आवंटन की दूकान पर गरीबों को खाद्य पदार्थों के वितरण प्रणाली में गेहूँ, चावल का वितरण किया गया था जिसमें चावल की बोरियो में प्लास्टिक का चावल निकलने से हडकम्प मचा हुआ है, वही इस कृत्य से सरकारी तंत्र पर सवालिया निशान लग रहा है, इस मिलावट से गरीबों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया है, हालांकि मामले की शिकायत संक्षम अधिकारियों से की गई है लेकिन देखना यह होंगा कि इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कब होगी।

प्रतिभा किसी संसाधनों की मोहताज नहीं एस. के. वर्मा

कमला स्मारक इंटर कालेज मे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेधा सम्मान समारोह आयोजित

घूरपुर। प्रतिभा कभी भी किसी संसाधनों एवम जाति, वर्ग सम्प्रदाय की मोहताज नहीं होती वरन यह विद्यार्थियों के लगन एवम मेहनत के बल पर निखरती हैं आज बहुत ही गौरवान्वित पलों मे एक पल यह भी हैं कि आज ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी संसाधनों के अभाव के पश्चात भी प्रत्येक क्षेत्र मे सफलता के झंडे स्थापित कर रहें हैंउक्त बातें श्रीमती कमला स्मारक इंटर कालेज मे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेधा सम्मान समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि लायंस क्लब प्रयागराज गौरव के अध्यक्ष श्री एस. के. वर्मा नें अपने सम्बोधन मे व्यक्त किये। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका शर्मा नें राष्ट्र एकता एवम देशभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन की महानता को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए उनके पदचिन्हो पर चलने के लिए प्रेरित भी की। इस अवसर पर उक्त संस्थान के प्रबंधक श्रीअनिल विश्वकर्मा नें मेधावियों को सम्मानित भी किये। इस अवसर पर लायंस क्लब प्रयागराज गौरव के नेतृत्व मे वृक्षारोपण के साथ छात्रों मे फलदार पौधे भी वितरित किये गये।

देश को विकसित बनाने मे गावों की भूमिका अहम : ए.आर.वर्मा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भारत गावों का देश हैं आज भी देश की अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति के मामले मे गावों का अभूतपूर्व योगदान हैं देश विकासशील से विकसित की श्रेणी मे तभी बदलेगा जब गावों का विकास होगा उक्त बातें गौहनिया क्षेत्र के उमरी मे आयोजित स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि इंजिनियर ए. आर. वर्मा नें अपने सम्बोधन मे गाँव की महत्ता एवम शिक्षा के विषय मे ग्रामीणों के मध्य अपने अनुभवो को साझा किये। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप मे सेवानिवृत अधिशाषी अभियंता इंजिनियर नरेंद्र सिंह नें कहा कि वर्तमान दौर शिक्षा का हैं जो जितना अधिक शिक्षित होगा वह उतना ही अधिक अपने समाज, राष्ट्र का विकास करेगा इसलिए एक जून की रोटी भले ही नसीब न हों किन्तु बच्चों को पढ़ाने का अटूट संकल्प मन मे होना चाहिए साथ ही बालविवाह, नशा,दहेजप्रथा इत्यादि कुरुतियों से हम समाज एवम राष्ट्र खोखला हों रहा अतः इनके उन्मूलन मे समाज की एकजुटता आवश्यक हैं। इस अवसर पर 51बाल कलाकारो को एक सेट वस्त्र, कप प्लेट एवम शील्ड के साथ अतिथियों नें उत्साहवर्धन किया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बूँदावा भीम सिंह पटेल एवम संचालन अर्जुन सिंह पटेल नें किया।कार्यक्रम मे प्रतिभाग करने वाले 51 बच्चों को गिलास और प्लेट उसके बाद खेल कूद की प्रतियोगिता मे शामिल हुए 61 बच्चों को शर्ट और टी शर्ट इनाम से पुरस्कृत किया गया जिनमे रंजना पटेल, गुड़िया पटेल, कल्पना पटेल, मनीष पटेल, समर जीत पटेल, निशा पटेल, सुषमा पटेल, विकास पटेल इत्यादि सम्मिलित हैं।ग्रामीणों सहित अतिथियों नें आयोजक पवन पटेल, रतन पटेल एवम सुरजीत पटेल के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किये।

कमला स्मारक इंटर कालेज में मेधा छात्र ट्राफी से सम्मानित होते हुए

हिंदू युवा वाहिनी ने निकाला तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा निकालकर वीर सपूतों को किया गया नमन

सहसों। 75 में स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को हिंदू युवा वाहिनी एवं युवा मोर्चा प्रयागराज के तत्वावधान में तिरंगा यात्रा निकाला गया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से मां भारती के वीर सपूतों बलिदानियों एवं क्रांतिकारियों को याद करते हुए नमन किया गया। हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी लक्ष्मी ज्योति पांडे की अध्यक्षता में यह यात्रा बहुत ही शांति तरीके से अंदावां चौराहा से सहसों गोल चौराहा तक निकाला गया। इस यात्रा में मां भारती के जयकारे भी लगाए गए। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष प्रयागराज दीपक शर्मा, जिला संयोजक रमाशंकर द्विवेदी, जिला अध्यक्ष गंगापार शारदा प्रसाद दुबे, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्रा, जिला संगठन महामंत्री गौरव पांडे, जिला मीडिया प्रभारी इंद्रमणि शुक्ला एवं विजय कुमार मिश्रा, नागेंद्र कुमार द्विवेदी, कौशलेंद्र पांडे, उत्कर्ष तिवारी, रोहित तिवारी, अमित पांडे, सुनील मिश्रा, आशीष कुमार मिश्रा, अमरीश शुक्ला, शिव कुमार पांडे, संदीप मिश्रा, धीरेंद्र मिश्रा एवं हिमांशु मिश्रा सहित अन्य शामिल रहे। इसी तरह विकासखंड बहरिया के कादीपुर गांव स्थित संघर्ष कोचिंग क्लासेज में ध्वजारोहण करते हुए बच्चों ने एक रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सर्वप्रथम कोचिंग के प्रबंधक विपिन कुमार पटेल ने झंडारोहण किया। तत्पश्चात कोचिंग के प्रबंधक के नेतृत्व में सभी ने राष्ट्रगान गाया। उसके उपरांत कार्यक्रम के संचालक एवं निर्देशक सचिन कुमार पटेल की देखरेख में बच्चों ने बहुत ही सुंदर तरीके से संगीतमय रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की। इस मौके पर इस कार्यक्रम में सहयोग देने वाले मान सिंह पटेल, प्रशांत कुमार, लालता प्रसाद प्रजापति एवं अन्य सहयोगी गंण शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत पूराघीसन करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत पूराघीसन विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 6–08–2021 से दिनांक 12–08–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत पूराघीसन में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 12–08–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 12–08–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	नहर से छविनाथ के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.70)	3 माह
2.	रोड से अखिलेश के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.65)	3 माह
3.	दरबारी के घर के सामने से शोभालाल के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.68)	3 माह
4.	लाला के घर से पप्पू के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.70)	3 माह
5.	प्रमिला के घर से लाला के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.75)	3 माह

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत सचिव/
टेण्डर/कोटेशन/2020–21/दिनांक

(महेश कुमार)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत पूराघीसन
विकास खण्ड करछना प्रयागराज।

संक्षेप

फर्जी जाति प्रमाणपत्र रोकने के आदेश पर हस्तक्षेप से इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गोंड जाति को अनुसूचित जनजाति घोषित करने संबंधी केंद्र सरकार की अधिसूचना का राज्य सरकार को पालन करने का निर्देश दिया है, लेकिन जनजाति गोंड की उपजातियों की व्याख्या करने वाले राज्य सरकार के आदेश को रद कर दिया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र जारी करने पर रोक लगाने वाले सरकारी आदेश पर हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए कहा है कि प्रदेश के 13 जिलों के लिए केंद्र द्वारा घोषित जनजाति गोंड में दो उपजातियों नायक व ओझा को शामिल करने का राज्य सरकार को अधिकार नहीं है। वह फर्जी जाति प्रमाणपत्र जारी करने से पहले कड़ाई से जांच कर सकती है।

सरकार जब भर्ती निकालती है तो सारे पद क्यों नहीं भरे जाते : हाईकोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिंचाई विभाग में 3210 नलकूप ऑपरेटर भर्ती में खाली बचे पद प्रतीक्षा सूची से न भरने के कारणों की 19 अगस्त तक

विस्तृत जानकारी मांगी है। कोर्ट ने सही तथ्य पेश न कर गुमराह करने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताई और कहा कि जब सरकार ने भर्ती निकाली है तो सारे पद भरे क्यों नहीं जाते। बचे पदों को प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों से भरने के बजाए उन्हें हाईकोर्ट आने को विवश करते हैं, जबकि सरकार व आयोग को खुद पद भरने चाहिए।सरकार ने कहा आयोग ने प्रतीक्षा सूची नहीं दी। आयोग प्रतीक्षा सूची जारी कर शांत बैठ गया। कोर्ट में विषय से अलग फैसला देकर भ्रमित किया। सरकार ने कहा आयोग की सूची से भर्ती पूरी कर ली। बचे पदों पर कहा कि आयोग ने प्रतीक्षा सूची सरकार को नहीं दी। इस पर कोर्ट ने फटकार लगाई और कहा कि सरकार ने भर्ती निकाली, पद खाली रहे तो आयोग से प्रतीक्षा सूची मांगने के बजाय बताकर भर्ती पूरी कर ली।

आखिर प्रतीक्षा सूची से खाली बचे पदों पर नियुक्ति क्यों नहीं की गई। ऐसे मामले हाईकोर्ट आने ही नहीं चाहिए। सरकारी वकील ने अधिकारियों की गलती मानी और पूरी जानकारी देने के लिए सुनवाई स्थगित करने की मांग की, जिसपर कोर्ट ने 19 अगस्त को सही तथ्य पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी ने विजय कुमार व 26 अन्य की याचिका पर दिया है।

याची की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता आरके ओझा ने पक्ष रखा। याची अधिवक्ता ने कोर्ट में ट्यूबवेल ऑपरेटर सेवा नियमावली के हवाले से कहा कि भर्ती में प्रतीक्षा सूची जारी करने का नियम है। इसके बावजूद आयोग ने विज्ञापित 3210 अभ्यर्थियों की सूची जारी की। राज्य सरकार ने 19 अगस्त 20 के आदेश से कहा कि कोई पद खाली नहीं बचा है और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने 19 अक्तूबर 20 को कहा कि 672 पद भरने से बचे हैं। इसपर कोर्ट ने सरकार को स्थिति स्पष्ट करने को कहा था।सरकार की तरफ से बताया गया कि जो चयन सूची आयोग से दी गई, उसकी भर्ती पूरी कर ली गई है और आयोग ने प्रतीक्षा सूची दी ही नहीं। याची अधिवक्ता ने कहा बहुत से चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति नहीं ली। भारी संख्या में पद खाली बचे हैं। कोर्ट ने कहा कि अधिकारी कोर्ट के आदेश तक नहीं पढ़ते । पद खाली हैं तो अधिकारियों को आयोग से प्रतीक्षा सूची नहीं मांगनी चाहिए। पद भरने के लिए भर्ती निकाली गई है तो सभी पद भरे जाने चाहिए।

जौहर विश्वविद्यालय का गेट तोड़ने पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का गेट तोड़ने के रामपुर कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। अधिवक्ता सफदर अली काजमी के अनुसार यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने दिया है। अधिवक्ता सफदर अली काजमी के मुताबिक जौहर विवि के गेट को तोड़ने का आदेश रामपुर की एक अदालत ने गत दो अगस्त को दिया था। रामपुर के जनपद न्यायाधीश गौरव कुमार श्रीवास्तव ने जौहर विवि का गेट तोड़ने के एसडीएम कोर्ट के आदेश को बहाल रखते हुए यूनिवर्सिटी की ओर से दाखिल अपीलों को खारिज कर दिया था। इस मामले में आजम खां पर करीब सवा तीन करोड़ रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया था। जिला न्यायालय ने जुमार्ना घटाकर 1.63 करोड़ रुपये कर दिया था। जुमार्ने की राशि की वसूली के लिए पिछले दिनों आजम खां के घर पर नोटिस भी चस्पा किया गया था। जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य गेट को तोड़े जाने का मामला करीब दो साल से जिला न्यायालय में विचाराधीन था। एसडीएम सदर ने 25 जुलाई 2019 को विश्वविद्यालय के मुख्य गेट को अवैध मानते हुए इसे तोड़ने के आदेश किया था। इसके बाद सपा सांसद आजम खां की ओर से हाईकोर्ट की शरण ली गई थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में दाखिल याचिका को खारिज करते हुए जिला न्यायालय जाने की छूट दी थी। इसके बाद मामला जिला न्यायालय में चल रहा था।

मेजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन लगवाने आई महिला हुई बेहोश

अखण्ड भारत संदेश

बेहोशी की अवस्था में महिला का प्राथमिक उपचार करते

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा में मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा में वैक्सीन लगवाने आई एक महिला बेहोश हो गई। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अंजू राय ने महिला को उठवा कर अपने चेंबर में हवा के नीचे बैठा कर पानी का छींटा दिया जिससे थोड़ी देर बाद उसे होश आने पर उसका सबसे पहले टीका लगवा कर उसके घर भिजवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा में वैक्सीन लगवाने के लिए महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ जमा हुई। एक महिला सुबह दस बजे से ही कोरोना टीका लगवाने के लिए लाइन में खड़ी थी जहां घंटों लाइन में खड़े होने पर वह गश्त खाकर गिर गई। मौके पर मौजूद अस्पताल कर्मी उसे उठा कर स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के चेंबर में बैठाया और उसके मुंह पर पानी का छींटा मारा हाथ पैर को गर्म करने की कोशिश मालिश करके की गई जहां थोड़ी देर बाद उसे होश आया। उसके साथ आई महिला ने बताया कि कुछ दिनों से इसकी तबीयत खराब चल रही है कमजोरी के कारण वह काफी देर तक खड़े होने पर उसे चक्कर आ गया जिससे वह बेहोश हो गई। फिलहाल स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी ने दरियादिली दिखाते हुए महिला को सबसे पहले वैक्सीन लगवा करके साथ आई महिला के साथ से उसे घर भिजवा दिया।

परिवार सुरक्षित मगर फिक्र रहती है बनी

प्रयागराज। विश्वविद्यालय से मास्टर आफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) की पढ़ाई कर रहे अफगानिस्तान के पक्तियां के रहने वाले अजीज बताते हैं कि पिछली रात को ही घरवालों से बात हुई थी। फिलहाल तो सभी सुरक्षित हैं लेकिन फिक्र तो है। हिंदी से एमए कर रहे काबुल के मलिक मोहम्मद कहते हैं घरवालों से चार दिन पहले बात हुई थी। उसके बाद से संपर्क टूट गया है। मेरा वीजा भी अब खत्म होने वाला है और हालात ऐसे बन गए हैं कि अभी वापस नहीं जाना चाहते हैं। मेरा परिवार तालिबान के कब्जे वाले इलाके में रहता है। उससे बेहतर तो भारत है। कोई किसी को जबरन परेशान तो नहीं करता है। अफगान के लघमन सिटी के अब्दुल रहमान यहां बीकाम तृतीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। वह कहते हैं घरवालों से बात तो हुई, लेकिन वह घरों में ही कैद हैं। फिलहाल तो सुरक्षित हैं लेकिन डर सता रहा है। यदि स्थिति नहीं सुधरेगी तो वापस जाएंगे वर्ना यहीं रहेंगे। ननगरहाल के इफ्तेखार अहमद भी विश्वविद्यालय से बीकाम अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। वह कहते हैं परिवार वालों से रात में बात हुई तो पता चला तालिबान ने खौफ मचाया है।

ग्राम सभा को अलग करवाने को लेकर छिड़ी मुहीम

लकटहा ग्रामसभा को अलग करवाने के लिए जय भोले जागरूक मिशन कर रही अगुवाई

अखंड भारत संदेस

हिहि

भदेवरा /करछना। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लकटहा ग्राम सभा को अलग करवाने के लिए जय भोले जागरूक मिशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि आज से कई साल पहले यह ग्राम सभा अलग था लेकिन न जाने किन कारणों से इस ग्राम सभा को अन्य ग्राम सभा में मिला दिया गया और ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की तरफ से जो भी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है वो इस ग्राम सभा के व्यक्तियों को नही मिल पाती । इसलिए हम सब चाहते है कि अगर हमारा गांव अलग नही हुआ तो लंबे समय के अनशन के लिए बाध्य होगे । सभा में भुवर निषाद , दीपक मिश्रा , अशोक पांडेय ,बलजीत यादव ,सूरज यादव विश्वकर्मा , बबोली हरिजन ,राजेश पांडेय ,विकाश कुमार , ,अतुलतिवारी ,रमेश यादव ,राकेश शर्मा, सुशील तिवारी ननकऊ निषाद , लल्लन निषाद ,लालबाबू विश्वकर्मा ,यशवंत आदि लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग ब्यक्ति एवं बिधवा महिला द्वारा संयुक्त रूप से फहराया गया तिरंगा

अखंड भारत संदेश

लेडियारी, प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, देवीबांध ने एक नई पहल करते हुए स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज दिव्यांग व्यक्ति और विधवा महिला द्वारा संयुक्तरूप से फहराया गया। आज जब दोनो पैरों से लाचार व्यक्ति साथ ही आंख से भी लाचार और कुदरत की मारी विधवा महिला ने ध्वज फहराया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था और वे अपने को बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। समाज में दिव्यांग और विधवा महिलाओं के साथ बहुत भेदभाव किया जाता है और उन्हें समाज से अलग करके देखा जाता है जिससे उन्हें शिक्षा,रोजगार और समाज में सम्मान बनाने में बहुत समस्याएं झेलनी पड़ती है,जिसके कारण वे शैक्षिक,आर्थिक और सामाजिक आदि क्षेत्रों में बहुत पिछड़ जाते हैं,जिससे वे बहुत हीनता महसूस करते हैं।इनके लिए ऐसा जीवन एक अभिशाप बन जाता है। इन दोनो समस्याओ का प्रभाव बहुत ही दुखदाई और कष्टदायक होते हैं, समस्या तब और विकराल हो जाती है जब वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर हों कुछ ऐसे ही हालात इन दोनो के भी हैं।आर्थिक तंगी के कारण पैर से लाचार व्यक्ति अपने आंख का इलाज नहीं करवा पा रहे हैं जिससे पैर और आंख दोनो समस्याओं के कारण किस तरह से जीवन गुजार रहे है इसकी कल्पना करके भी बहुत पीड़ादाई होता है। ऐसे ना जाने कितने लोग होंगे जो समाज में लोगो के व्यंग्य सुनते होंगे,उनका मजाक उड़ाया जाता होगा,उनकी उपेक्षा की जाती होगी।इस तरह से इनका पूरा जीवन एक बोझ बन जाता है।वे अपना जीवन अपने हिसाब से नही जी पाते हैं,उनके ऊपर कई तरह की बंदिशें और अन्याय किए जाते हैं।असल में इनकी प्रगति में विकलांगता या विधवा होना बाधक नहीं, बल्कि समाज में इनके प्रति नकारात्मक सोंच है।इससे वे कभी भी गरिमापूर्ण जीवन नहीं जी पाते हैं।

टोल प्लाजा पर फायरिंग से दशहत मामला सदिग्ध ,पुलिस बूथ के सामने की घटना

घटना पर तरह-तरह की चर्चाओ का बाजार गर्म, जांच के बाद सच्चाई होगी उजागर

अखंड भारत संदेश

लेडियारी,प्रयागराज। राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिस थाना बारा के गन्ने हर्रो टोलप्लाजा पर सोमवार देर शाम गोली चलने से अफरा-तफरी का माहौल व्यात हो गया। टोल कर्मियो ने गंभीर आरोप लगाऐ पुलिस जुटी जाचं मे।

राष्ट्रीय राजमार्ग गन्ने हर्रो टोल प्लाजा सदैव सुर्खियो मे रहा है। आए दिन टोल कर्मी और वाहन चालको मे तू-तू मै-मै से आम जन आजिज हो चुके है। गन्ने टोल पर वर्तमान मे पुलिस बूथ की स्थापना होने के बाद घटनाओं मे निरंतर बढोत्तरी हो गई। यह बात अलग है कि रिकार्डो मे पूरी घटनाऐं नही दर्ज हो पाती। हद तो तब हो गई जब गन्ने हर्रो टोल प्लाजा पर पुलिस बूथ के ठीक सामने टोल शुल्क के लेन-देन को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। टोल प्रबंधक विकास दुबे और अनिल ने गंभीर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है कि अखिलेश शुक्ला पुत्र महेन्द्र कुमार शुक्ल नारीबारी ने अपने तीन साथियो द्धारा जबरजस्ती बल पूर्वक वैरियर तोड़ते हुए उनके एक साथी द्धारा फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देते हुए दशहत फैलाने का आरोप लगाया है। लेकिन फुटेज मे एक व्यक्ति के हाथ मे हथियार जैसा कुछ दिखता है और कुछ गिर जाने पर कुछ उठाता भी है। पर गोली चलाते हुए कुछ नही दिखाई देता। यह तो प्रत्यक्षदर्शी ही बता सकते है वास्तविकता क्या है। चौकी प्रभारी गन्ने ने बताया पूरे प्रकरण की गंभीरता से जाचं की जा रही है। घटना मे आरोपी बनाए गए व्यक्ति के पिता महेन्द्र कुमार शुक्ल ने पूरे घटना को केवल एक साजिस बताया।और कहा कि बगल के लेन मे खडे होकर टोल कर्मियो से बात करने से क्या कोई दोषी होता है। इस प्रकार के आरोप वेबुनियाद है। निरंतर टोल प्लाजा मे हो रही अवैध बसूली का लोग प्रतिदिन प्रतिरोध करते है। कुछ ड्राईवरो ने पुलिस के सरंक्षण और कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खडे.किए है। क्षेत्र की जनता टोल पर ओवर लोड़ वाहनो से शुल्क लेकर विना गाडियो को अनलोड़ कराकर छोडने पर आपत्ति जताई है। इसी कारण आए दिन टोल विवाद का कारण है। टोल पर कई मामले विगत दिनो से लेकर पंजीकृत है। लेकिन उच्चाधिकारी उक्त प्रकरणो मे कोई ठोस कदम नही उठा सके। अब जाचं के बाद ही उक्त प्रकरण की सच्चाई सामने आऐगी की अफवाह व साजिश है कि सच्ची घटना है। लेकिन क्षेत्र मे तरह-तरह की चर्चाए व्याप्त है।

बर्खास्त भगोड़ा आईपीएस मणिलाल पाटीदार के वकील पर हाईकोर्ट ने लगाया पांच लाख का जुमार्ना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बर्खास्त आईपीएस मणिलाल पाटीदार के वकील की याचिका को आधारहीन और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए उन पर पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगा दिया है। साथ ही दिल्ली बार काउंसिल से याची (अधिवक्ता) के कृत्य पर निर्णय लेने को कहा है। कोर्ट ने जुमार्ने की राशि एक माह में हाईकोर्ट के विधि कोष में जमा करने का निर्देश भी दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केशरवानी एवं न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने याची (पाटीदार के वकील) और राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल व अपर शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड को सुनकर दिया है। अधिवक्ता ने याचिका दाखिल करके लखनऊ के हजरतगंज और प्रयागराज के कर्नलगंज इंस्पेक्टर को उसकी एफआईआर दर्ज करने व एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराने का निर्देश दिए जाने की मांग की थी। साथ ही सीबीआई को दोनों एफआईआर की विवेचना का निर्देश देने की मांग भी की थी। इसके अलावा मणिलाल पाटीदार से मुलाकात करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने की मांग भी वकील ने की थी। कोर्ट ने इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग मानते हुए याची वकील पर जुमार्ना लगाया है।

114 करोड़ में सिविल लाइंस तो 40 करोड़ में संवेरगा जीरोरोड बस स्टेशन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन पर व्यवसायिक कांप्लेक्स का निर्माण जल्द शुरू होगा। रोडवेज द्वारा इसकी तैयारी शुरू हो गई है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड में सिविल लाइंस बस स्टेशन को 114 करोड़ तो जीरो रोड बस स्टेशन को 40 करोड़ रुपये में संवारा जाएगा। दोनों ही बस स्टेशन पर व्यवसायिक कांप्लेक्स में होटल, मॉल एवं पार्किंग की सुविधा भी होगी। इसके लिए टेंडर जारी हो गया हैदरअसल उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा प्रदेश के कुल 17 बस स्टेशनों को पीपीपी मोड में विकसित किया जाना है। इसमें प्रयागराज के दो बस स्टेशन शामिल हैं। यह दोनों ही बस स्टेशन निर्माणकर्ता निवेशक को 60 वर्ष की लीज पर दिए जाएंगे। यूपी रोडवेज ने दोनों ही बस स्टेशनों के निर्माण के लिए दो वर्ष का समय दिया है। इसके तहत एक ही भवन में नीचे बस स्टेशन और ऊपर वाले हिस्से में मॉल बनाया जाएगा। इन बस स्टेशनों पर यात्रियों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। व्यवसायिक कांप्लेक्स में होटल, मॉल, पार्किंग आदि की सुविधा भी होगी। इसके लिए शासन द्वारा टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परिवहन निगम के अफसरों से भी प्रस्ताव मांगा गया है। रोडवेज प्रयागराज के क्षेत्रीय प्रबंधक टीके एस बिसेन का कहना है कि सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन को पीपीपी मॉडल पर विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा विशेष कार्यशाला का आयोजन

अखंड भारत संदेश

2031 महायोजना के दृष्टिगत

प्रयागराज। शासन द्वारा प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों को निर्गत निदेशों के क्रम में, जिसके अंतर्गत सभी प्राधिकरणों को अगले 10 वर्ष (2031 तक की) महा योजना तैयार करनी है, मंडलायुक्त श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में आज कार्यालय स्थित गांधी सभागार में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रयागराज विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंताओं, जोनल अधिकारियों, जूनियर इंजीनियरों समेत सभी संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए मंडलायुक्त ने कहा की सामान्यतः जिस एजेंसी को महायोजना बनाने के लिए नियुक्त किया जाता है प्राधिकरण के अधिकारी परियोजनाएं बनाने का सारा कार्य उस पर छोड़ देते हैं जो कि सही नहीं है। इसके दृष्टिगत यह आवश्यक है कि विकास कार्य से संबंधित सभी अधिकारीयों के समक्ष 2021 की महा योजना का प्रस्तुतीकरण किया जाए जिससे 2021 महायोजना में परिलक्षित कमियां उनके संज्ञान में आ सके। इससे ना ही संबंधित अधिकारी कंसल्टेंट्स द्वारा दिए गए सुझावों में अपने स्तर पर संशोधन कर सकेंगे बल्कि महा योजना 2031 से संबंधित परियोजनाओं को और बेहतर बनाने में उनकी सहायता भी कर सकेंगे।

महायोजना 2031 को बनवाने के उद्देश्य से मंडलायुक्त द्वारा जुलाई माह में एक समीक्षा बैठक की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप महायोजना को और प्रभावी बनाने हेतु यह निर्णय लिया गया था कि सभी संबंधित अधिकारियों की एक कार्यशाला का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक में सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण दयानंद प्रसाद समेत अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत तरौल करछना प्रयागराज टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत तरौल विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 6–08–2021 से दिनांक 12–08–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत तरौल में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 12–08–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक ..... कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्ते लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	नहर से लालता के खेत तक पक्की नाली निर्माण	(1.82)	3 माह
2.	लाल जी के बाग से किशोर के खेत तक पक्की नाली निर्माण	(1.93)	3 माह
3.	पक्की सड़क से नीरज के घर तक इंटरलांकिग कार्य	(3.99)	3 माह
4.	पक्की सड़क से पंचायत भवन तक इंटरलाकिंग कार्य	(3.99)	3 माह

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत सचिव/
टेण्डर/कोटेशन/2020–21/दिनांक

(महेश कुमार)
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत तरौल
विकास खण्ड करछना प्रयागराज।

पांच माह बाद स्कूलों में दिखी फिर बच्चों की चहलकदमी

माध्यमिक स्कूलों में कोविड नियमों का रखा जा रहा है ध्यान

प्रतापगढ़। जिले के माध्यमिक स्कूलों में बच्चों की चहलकदमी पांच माह बाद फिर सुनाई पड़ने लगी है। यद्यपि कि 16 अगस्त से कोरोना नियमों का पालन करते हुए कक्षा नौ से बारह तक के स्कूल खोले गये हैं और कक्षा-6 से आठ तक के 23 अगस्त से तथा प्राइमरी स्कूल एक सितम्बर से खुलने के आदेश से बच्चों में उत्साह है।

अभिभावकों का कहना है कि बच्चे कोरोना के विगत डेढ़ वर्षों में लाख प्रयासों के बावजूद लापरवाही हो गये हैं। लगभग 20 से 25 प्रतिशत बच्चे ही आनलाइन सुविधा से जुड़ पाए हैं। शेष की पढ़ाई विगत डेढ़ वर्षों से बंद है। गत मार्च माह में एक मार्च से 24 मार्च तक स्कूल खुले थे। नये सत्र का प्रवेश होने के पहले ही स्कूल का संचालन कोरोना की दूसरी लहर की भेंट चढ़ गया। अब पांच माह बाद फिर से स्कूल खुलने से बच्चों में नया उत्साह देखा जा रहा है। हाईस्कूल, इंटर कालेज सोमवार को तो खुले लेकिन वही बच्चे स्कूल जा सके, जिनके पास अपना साधन था। स्कूल बसें अभी नहीं निकली है। स्कूल संचालकों का तर्क था कि आधे अधूरे बच्चे को स्कूल लाने में उन्हें बहुत नुकसान उठाना पड़ेगा। इससे लगता है कि एक सितम्बर से ही सीबीएसई और आईसीएससी बोर्ड के बडे. विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को लाने के लिये बसें संचालित होंगी। अभिभावकों का यह भी कहना है कि बच्चों की कोरोना काल में दिनचर्या ही बदल गई है। इनका सोकर उठने, नाश्ता करने और पढ़ने का समय बिल्कुल बदल गया है। सबसे बड़ी समस्या उन बच्चों की है, जिन्होंने आनलाइन शिक्षा ग्रहण ही नहीं की। अब इस शिक्षा सत्र में केवल छह माह बचे हैं। स्कूल बिना बाधा के अगर चले भी तो छह माह में ही उन्हें अपना कोर्स पूरा करना होगा। इन सबके बावजूद सभी स्तर के खुलने की खबर से बच्चों में नया उत्साह है। उनके अभिभावक भी किताब-कापी खरीदने लगे हैं। डेट्टस की धुलाई फिर शुरु कर दी गई है। बच्चे इस बात से भी ज्यादा खुश हैं कि स्कूल में पढ़ाई के साथ खेलकूद व साथियों का साथ मिलेगा।

जूनियर व प्राइमरी के बच्चे भी स्कूल की तैयारी में जुटे

पीजीटी परीक्षा में पहली बेला में 558 व दूसरी बेला में 463 परीक्षार्थी अनुपस्थित

प्रतापगढ़। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित पीजीटी परीक्षा के प्रथम पाली में मंगलवार को जिले के नौ परीक्षा केन्द्रों पर 3184 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे जिसमें से 558 अनुपस्थित हो गये। 2626 ने परीक्षा दी। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 3369 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे जिसमें से 463 अनुपस्थित हुए। 2906 ने परीक्षा दी। बता दें कि नगर के राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, अबुल कलाम इंटर कालेज, डीएवी इंटर कालेज, केपी हिन्दू इंटर कालेज, पीबी इंटर कालेज प्रतापगढ़ सिटी, मथुरा प्रसाद इंटर कालेज चिलबिला, लोकमान्य तिलक कालेज प्रतापगढ़ तथा पीबीपीजी कालेज प्रतापगढ़ सिटी को इसका केन्द्र बनाया गया था जहां दोनों पालियों में परीक्षाएं सकुशल सम्पनन हुई।

ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था खस्ताहाल, लोग बेहाल

थम गए विद्युत पंखे, गर्मी से बिलबिलाए लोग

पट्टी, प्रतापगढ़। सरकार भले ही विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचाने की दावा करे लेकिन पट्टी पावर हाउस से जुड़े हुए गांव में अक्सर बिजली कटने से लोग परेशान हो जाते हैं रात के समय में विद्युत व्यवस्था आपूर्ति में बाधा पहुंचने से लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

पट्टी पावर हाउस से जुड़े हुए गांव पहलमापुर जैतापुर मरियमपुर सराय महेश छतेडी अर्जुनपुर गांव में आए दिन विद्युत व्यवस्था बाधित हो जाती है सोमवार की रात तो काफी देर तक बिजली आपूर्ति बाधित रही जिसके कारण लोग परेशान हुए। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में जलजमाव के कारण विषैले जीव जंतु घर के अंदर तक पहुंच जाते हैं लाइट ना होने के कारण अंधेरे में लोगों के लिए यह मुसीबत का कारण बन जाते हैं इस संबंध में फोन करने पर एसडीओ पट्टी का फोन नहीं उठता है तो वहीं अन्य कर्मचारी भी गैर जिम्मेदाराना तरीके से बात करते हैं इसके पहले विद्युत व्यवस्था बाधित होने के कारण लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ा था लेकिन अब देखना यह है कि पट्टी पावर हाउस से जुड़े हुए इन गांव में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से कब संचालित होती हैं और लोगों को सही ढंग से विद्युत व्यवस्था कब तक मिल पाती है।

जहरीले जंतु के काटने से युवक की मौत

रानीगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के अलमापुर तुलसीपुर निवासी सुभाष पटेल (35) पुत्र राम भजन पटेल को सोमवार भोर में अचानक से जहरीले जंतु ने काट लिया। युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन से फौरन जिला अस्पताल ले गए। जहां हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उसे प्रयागराज रेफर कर दिया। रास्ते में युवक की सांसे थम गई। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया।

वैक्सीन लगाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी में उमड़ी भीड़

पट्टी, प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी में कोविड-19 की वैक्सीन को लगवाने के लिए मंगलवार को लोगों का हुजूम इस कदर उमड़ा कि लोग सोशल डिस्टेंसिंग के नियमो का पालन और सेनहाइजर आदि भी भूल गए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी में इसके लिए कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है मुख्य दरवाजे से लेकर गेट तक लोग बिना मास्क लगाए धक्का-मुक्की करते हुए दिखाई दिए चिलचिलाती धूप और ऊपर से उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल दिखाई दे रहा था ऐसे में अस्पताल प्रशासन का कोई भी काम वहां पर नजर नहीं आया साथ ही लोग भी बेपरवाह नजर आए वही थोड़ी देर बाद वैक्सीन समाप्त हो जाने के बाद लोगों की भीड़ कम हो सकी।

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कर्मचारी एवं सहायिका एसोसिएशन ने दिया धरना

आश्वासनों के बाद भी नहीं बढ़ा मानदेय

प्रतापगढ़। आंगनबाड़ी कर्मचारी एवं सहायिका एसोसिएशन में मंगलवार से दो दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया। अध्यक्षता कर रही एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष बबिता सिंह ने कहा कि सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में वर्ष 2017 में जोरदार प्रदर्शन किया गया था। उसका नतीजा रहा कि सरकार 7 जून 2018 को संगठन के साथ वार्ता की और मानदेय बढ़ाने की बात भी कही परंतु अफसोस यह है कि वह वादा झूठा निकला। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मचारी से विभागीय कार्य के अलावा बीएलओ ड्यूटी, कोरोना ड्यूटी, जनगणना, संचार रोग नियंत्रण के साथ स्वास्थ्य विभाग के अनेक कार्य कराए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करते हैं कि उन्होंने चुनाव के समय घोषणा पत्र में जो वादा किया था उसे पूरा करें अन्यथा सितंबर 2021 से पूरे देश में सारे विभागीय कार्य ठप कर काम बंद कलम बंद हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इस मौके पर सुषमा श्रीवास्तव नीलू श्रीवास्तव पूनम लता मनीषा तिवारी कुसुम संध्या आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन नीलिमा सिंह ने किया।

नन्हें मुन्नों ने निकाली तिरंगा यात्रा, पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

बीबीएफजी के बच्चों ने शहीदों और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प चढ़ाये

प्रतापगढ़। 15 अगस्त के मौके पर नन्हें मुननें ने एक अनूठी तिरंगा यात्रा शहर में निकाली। भंगवा गांव से निकली यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा का जगह जगह वेलकम हुआ। सायकिल पर लंबा तिरंगा हाथों में लिये दो बच्चे आगे चल रहे थे। उनके पीछे काफी संख्या में सायकिल सवार बच्चे तिरंगा लहराते हुये भारत माता की जय, वंदेमातरम और 15 अगस्त अमर रहे के नारे लगाते जिधर से निकलते। आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर आ जाते। बच्चों के जोशीले, गगनभेदी देशभक्ति नारों ने पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया। भंगवा गांव से तिरंगा यात्रा लेकर चले बच्चों ने भंगवा चुंगी पर शहीदे आजम सरदार भगत सिंह, निर्मल तिराहे पर स्वामी विवेकानंद और स्टेशन रोड स्थित पार्क में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उनके बलिदानों को याद किया। यहां रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के अध्यक्ष संदीप खरे, सचिव शरद केसरवानी, उपाध्यक्ष अश्विनी केसरवानी, मयंक चतुर्वेदी, राजकुमार मोदनवाल, राजेश चौरसिया समेत कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा का पुष्प बरसाकर जोरदार ढंग से स्वागत किया। उनका लड्डू से मुंह मीठा कराया। तिरंगा यात्रा के संयोजक टीचर राजेश कुमार ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत करने और आजादी के लिए मर मिटने वाले शहीदों और महापुरुषों के बलिदान से अवगत कराना है। उन्होंने बताया कि यात्रा बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप,बीबीएफजी के सहयोग से निकाली गई थी। जिसमें डॉक्टर अनुराग मिश्रा, शनि सरोज का सराहनीय योगदान रहा। अजय, शिवम, प्रदीप, नितिन, निखिल, नितेश, लवकुश, साहिल, हिमांशु, विजय,शुभम और सर्वेश समेत काफी संख्या में बच्चों ने शहर में 10 किलोमीटर सायकिल यात्रा की। यात्रा का भंगवा में समापन किया गया।

रंजिश में महिला को पीटा बेटे का हाथ तोड़ा

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने एक महिला को एक राय होकर जमकर मारा पीटा तथा उसके बेटे का हाथ भी तोड़ डाला हल्ला गुहार करने पर आरोपियो ने उसे छोड़ दिया महिला ने मामले में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों पर कार्यवाही की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के औराइन गांव की रहने वाली राजकुमारी पतने मार्कंडेय तिवारी ने बताया कि बीते 16 अगस्त को सुबह आठ बजे पड़ोसी एक राय होकर महिला के घर आ जाए और उसे लात घुसा से जमकर मारा पीटा। मां बहन की भर्ती भद्दी गालियां दी और उसके बेटे का हांथ तोड़ दिए। आसपास के लोग दौड़े तो आरोपितों ने महिला को पकड़कर तालाब में फेंक दिया। महिला ने मामले में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

अर्थशास्त्र व गणित वाले ही पा सकेंगे बीकाम में प्रवेश

नई शिक्षा नीति में प्रवेश के नियम बदले

प्रतापगढ़। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों मे जीव विज्ञान एवं कला वर्ग के विद्यार्थी बीकॉम में प्रवेश नहीं पा सकेंगे। वाणिज्य वर्ग के विषयों से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण तथा विज्ञान वर्ग का गणित विषय से इंटरमीडिएट करने वाले एवं कला वर्ग से अर्थशास्त्र एवं गणित विषय से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी ही बीकॉम में प्रवेश ले सकेंगे।

बता दें कि पूर्व के वर्षों में कला एवं विज्ञान वर्ग के किसी भी विषय के विद्यार्थियों का प्रवेश महाविद्यालयों द्वारा बीकॉम में कर लिया जाता था किंतु नई शिक्षा नीति में दी गई व्यवस्थाओं के अंतर्गत बीएससी बायो तथा कला वर्ग में अर्थशास्त्र एवं गणित विषय को छोड़कर अन्य विषयों से इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षार्थी अब बीकॉम में प्रवेश नहीं पा सकेंगे। किसी भी वर्ग से इंटरमीडिएट करने वाला विद्यार्थी कला संकाय में प्रवेश पा सकेगा। विज्ञान वर्ग के विषयों से इंटरमीडिएट करने वाला विद्यार्थी विज्ञान संकाय, कला संकाय तथा कृषि संकाय में प्रवेश ले सकेगा जबकि कृषि वर्ग के विषयों से इंटरमीडिएट करने वाले परीक्षार्थी सनतक स्तर पर कृषि संकाय तथा कला संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। इसी प्रकार वाणिज्य वर्ग के विषयों से इंटरमीडिएट करने वाला छात्र सनतक स्तर पर वाणिज्य संकाय तथा कला संकाय के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र होगा। इस संबंध में पूछे जाने पर एमडीपीजी कॉलेज के जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि वाणिज्य वर्ग के अलावा विज्ञान वर्ग में गणित तथा कला वर्ग में अर्थशास्त्र विषय से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाला कोई भी विद्यार्थी बीकॉम में प्रवेश पा सकेगा।

डायट प्राचार्य को मिला चैंपियन अवार्ड

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से डायट प्राचार्य को वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन, चैंपियन अवार्ड से नवाजा गया है। पूरे देश में 400 शिक्षण संस्थानों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था, जिसमें से प्रदेश के 57 शिक्षण संस्थान को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। इसमें डायट प्रतापगढ़ का भी चयन हुआ है। ऑनलाइन समारोह आयोजन में डॉक्टर खुशबू आर. होश चंदानी परियोजना समन्वय एम जी एन आर सी ई शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने बधाई दी। मुख्य अतिथि प्रभाष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, प्रतापगढ़ के द्वारा डायट प्राचार्य मुहम्मद इब्राहीम को वन डिस्टिक वन ग्रीन चैंपियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। उप शिक्षा निदेशक डायट प्राचार्य मुहम्मद इब्राहीम ने इस अवार्ड को डायट की पूरी टीम को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की भांति प्रत्येक वर्ष जनपद को हरित बनाने तथा पर्यावरण को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कोई चीज तभी निखरती है जब उसमें प्रतिस्पर्धा होती है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

ट्रक की टक्कर से घायल अधेड़ की मौत

प्रतापगढ़। रामनगर चौरंग के रहने वाले गंगा प्रसाद यादव बीती रात करीब 9 बजे साइकिल से खेत देखने जा रहे थे। तेज रफ्तार से आ रही ट्रक प्रसाद यादव को जोरदार टक्कर मारकर फरार हो गया। उसके बाद झींगुर के पास ट्रक ने तीन गायों को भी कुचला जिससे मौके पर गायों की भी मौत हो गयी। ट्रक चालक हीरागंज के पास ट्रक छोड़कर फरार हो गया। महेशगंज पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। घायल को उपचार के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संग्रामगढ़ ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर डाक्टरों द्वारा प्रयागराज रेफर कर दिया गया। प्रयागराज ले जाते समय घायल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। इससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने संग्रामगढ़ थाने में तहरीर दी है। घटना संग्रामगढ़ थाना के रामनगर चौरंग के पास की है।

टक्करगंज में मिला कोरोना पाजिटिव केस

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) की जांच में तहसील क्षेत्र सदर अन्तर्गत टक्करगंज रज्जब अली के बगल में कोरोना पाजिटिव केस पाये जाने के दृष्टिगत कोविड-19 के फैलाव को रोकने एवं बचाव व नियंत्रण हेतु इस स्थल के 25 मीटर एरिया को अग्रिम 14 दिवस तक अस्थाई रूप से माइक्रो कन्टेनमेन्ट/कलस्टर जोन घोषित किया है। परिसर में प्रवेश व निकास एवं वाहनों के संचालन को (अपरिहार्य स्थिति को छोड़कर) प्रतिबन्धित किया जाता है। इस अवधि में आवश्यक सामग्रियों को लेकर आने जाने वाले वाहन प्रतिबन्ध से मुक्त रहेगें किन्तु कोई वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र में अनावश्यक नहीं रूकेगा। प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी प्रकार की दुकानें आदि अग्रिम आदेशों तक नहीं खुलेगें। प्रतिबंधित क्षेत्र में आवश्यक सामग्रियों, दवाइयों, दूध, फल, राशन, सब्जी आदि की उपलब्धता डोर-टू-डोर की जायेगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में एक दूसरे के हुए 46 जोड़े

पूरे विधि विधान के साथ विवाह हुआ सम्पन्न

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत आज विकास खण्ड लालगंज में कुल 46 जोड़ों का विवाह पूरे विधि विधान के साथ सम्पनन हुआ जिसमें विकास खण्ड लक्ष्मणपुर के 17 एवं लालगंज के 29 जोड़ों सम्मिलित रहे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतापगढ़ संगम लाल गुप्ता सम्मिलित हुये।

इसके अलावा कार्यक्रम में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अन्य सम्भ्रान्त लोग उपस्थित रहे। इस दौरान सांसद संगम लाल गुप्ता ने केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रशंसा की व वर-वधू के उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि यह योजना गरीब, असहाय एवं निर्धन व्यक्तियों के पुत्रियों के जीवन में खुशहाली लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कन्या के दाम्पत्य के जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रूपये 51000 प्रदान की जाती है जिसमें रूपये 35000 की धनराशि कन्या के बैंक खाते में अन्तरित की जाती है। विवाह संस्कार के लिये आवश्यक सामग्री (कपड़े, बिछिया, चांदी के पायल एवं सात बर्तन) हेतु रूपये 10000 तथा कार्यक्रम के आयोजन हेतु रूपये 6000 की धनराशि व्यय की जाती है।

पूजे गए भक्तराज हनुमान, जयकारे से गूंज उठे धाम

प्रतापगढ़। बुढ़वा मंगल पर भक्तराज हनुमान का विधि-विधान से पूजन-अर्चन हुआ। हनुमान मंदिरों में दर्शन-पूजन को लेकर भक्तों ने भीड़ लगी रही। तुलसी की माला व लड्डू का प्रसाद अर्पित कर भक्तों ने मत्था टेका। जगह- जगह भंडारे का आयोजन हुआ। शहर से लेकर गांव तक भक्तिमय माहौल बना रहा। शहर के टक्करगंज व ट्रेजरी चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर पर सुबह विधि-विधान से हनुमान का पूजन हुआ। इसके बाद दर्शन- पूजन का दौर शुरू हुआ। मंदिर पर भक्तों की भीड़ लगी रही। शाम को ट्रेजरी चौराहे पर भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारे का प्रसाद लेने को श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। बेलखरनाथ धाम पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शहर से सटे चिलबिला बाजार स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में लोगों ने विधि-विधान से पूजन- अर्चन किया। बजरंग बाण, हनुमान चालीसा, सुंदरकांड का पाठ करने के साथ ही रामधुन भी लगाया। रानीगंज बाजार स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की कतार लगी रहीं।

भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवनसूत का किया दर्शन पूजन

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर/भदोही। सावन मास के अंतिम मंगलवार बुढ़वा मंगल को जनपद में स्थित महावीर मंदिरों में पवनसुत हनुमान के दर्शन पूजन को भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। दर्शनार्थी सोशल डिस्टेंस बनाते हुए दर्शन पूजन करते देखे गये। ऐतिहासिक चकवा महावीर मंदिर पर पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। हालांकि दोपहर बाद हुई हल्की बारिश ने मेले में खलल डालने का प्रयास तो जरूर किया, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और मेलाथियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। हर जगह लोग डटे रहे और मेले का आनंद उठाते रहे। प्राचीन एवं पौराणिक स्थल चकवा महावीर मंदिर पर दर्शन पूजन व मेले की तैयारी दो दिन पूर्व से ही शुरू हो गई थी। मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का शुरू हुआ सिलसिला दोपहर होते होते हजारों में पहुंच गई। मंदिर पर पहुंचे महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने हलवा पूड़ी के साथ तरह-तरह के प्रसाद चढ़ा कर दर्शन पूजन किया। इस मौके पर लगे मेले में लोगों ने जमकर खरीददारी भी की।

देवाधिदेव महादेव का अलग अलग स्वरुप मे किया गया श्रृंगार

गोपीगंज/भदोही। नगर के साथ ग्रामीण क्षेत्र प्राचीन धार्मिक स्थल पर सावन माह के अंतिम सोमवार को देवाधिदेव महादेव का अलग-अलग स्वरुप में दर्शन पूजन कर निहाल हो गए श्रद्धालुओं के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजायमान रहा। नगर प्रमुख धार्मिक स्थल बाबा बड़े शिव, गोपेश्वरनाथ व ग्रामीण क्षेत्र के बाबा तिलेश्वरनाथ का पंच द्रव्य और सुगंधित पुष्पों से मनमोहक रुप में श्रृंगार कर आरती पूजन की गई। अलौकिक श्रृंगार के भव्य स्वरुप का दर्शन-पूजन कर भक्त जहां निहाल हो गए। वहीं देर रात हुई आरती पूजन के दौरान जुटे श्रद्धालुओं के हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा परिसर देर रात तक गूंजायमान रहा। पावन पवित्र सावन माह में सोमवार को सायंकाल शुरु हुआ दर्शन पूजन का क्रम देर रात तक चलता रहा। शिव परिवार द्वारा सोमवार की देर शाम बाबा बड़े शिव धाम परिसर में देवाधिदेव महादेव का पंच द्रव्य और सुगंधित पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के उपरांत निखरे अलौकिक स्वरुप के दर्शन पूजन के लिए सोशल डिस्टेंसिग का पालन करते हुए शिव भक्त कतार वद्ध हो कर अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे। सायंकाल से शुरु हुए दर्शन पूजन के दौरान आरती पूजन व स्तुति गान की गई। पुजारी के रुप में सुरेंद्र कुमार ने डमरु, मृदंग, घंटा घड़ियाल व शंख ध्वनि के बीच देवाधिदेव की आरती उतारी। श्रद्धालुओं के जयकारे से पूरा परिसर गूंजायमान रहा। इस मौके पर शिव परिवार के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। इसी तरह काली देवी हनुमान गढी परिसर स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में व्यवस्थापक विजय साहू की देखरेख में आरती पूजन की गई।

पारम्परिक कारीगरी 06 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु करें आवेदन

भदोही। उपायुक्त उद्योग अधिकारी हरेंद्र प्रताप ने बताया कि सूक्ष्म लघु एवं माध्यम उद्यम नीति 2017 के अंतर्गत जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के स्थानीय दस्तकारों तथा पारम्परिक कारीगरों के विकास हेतु विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की गई है। इस योजना के अंतर्गत पारम्परिक कारीगरी जैसे बढ़ाई, दर्जी ,टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची एवं राजमिस्त्री के आजीविका के संसाधनों के सुदृढ़ीकरण करने हेतु 06 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए इच्छुक आवेदक अपना आवेदन ऑनलाइन वेबसाइ पर 22 अगस्त 2021 के सांयकाल तक कर सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए आवेदक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र ज्ञानपुर भदोही में संपर्क स्थापित कर सकता है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द लागू होने की जरूरत

अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

भदोही। अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल व अन्य आयाम प्रमुख कार्यकर्ताओं के तत्वाधान में नगर के श्री महादेव मंदिर के प्रांगण में अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी तथा संचालन जिला मंत्री धीरेंद्र दुबे ने किया। सभी कार्यकर्ताओं ने भारत देश को फिर से अखंड भारत बनाने का संकल्प लिया गया। अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए काशी प्रांत महामंत्री तरुण कुमार शुक्ला ने कहा कि अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम के माध्यम से समस्त हिंदू समाज को जगाने का प्रयास किया जा रहा है। कहा कि हमारा देश भारत कुछ शताब्दी पहले अखंड भारत था। जो पाकिस्तान, बांग्लादेश, बर्मा, नेपाल, भूटान, ईरान, इराक, तिब्बत, अफगानिस्तान आदि देश में मिलकर हमारा भारत अखंड था। किंतु विदेशी शक्तियों ने धोखे से हमारे देश पर आक्रमण किया देश की धन संपदा लूट कर विदेश ले गए और हमको कमजोर करने के लिए देश के ताने बाने को छिन्न भिन्न करके कुटिलता चाल के तहत अनेक क्षेत्र को देश से अलग कर दिए। जिसे पुनः अखंड बनाने के लिए सभी हिंदू समाज एकजुट होकर कार्य करें। विंधाचल विभाग अध्यक्ष एवं भदोही जिला प्रभारी संतोष दूबे ने कहा कि भारत देश को फिर से अखंड बनाने के लिए हमारे संत महात्माओं के आदर्शों पर चलकर आगे बढ़ना होगा, तभी हमें पूर्ण सफलता मिलेगी। कहा कि जब-जब जिस क्षेत्र में हिंदू जनसंख्या कम हुआ तब-तब वह क्षेत्र हमसे अलग हुआ। देश में गैर हिंदुओं की जनसंख्या बढ़ती जा रही है, जो देश और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। जिसे रोकने के लिए सरकार जल्द से जल्द जनसंख्या नियंत्रण कानून देश में लागू करें। अखंड भारत संकल्प दिवस कार्यक्रम को पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला तथा व्यापार परिषद के जिलाध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह, अंर्तराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्रा ने भी संबोधित किया।

मातृ वंदना योजना के लिए केवाइसी अपडेट करवाएं

अखंड भारत संदेश

भदोही । प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ पाने के लिए पात्र लाभार्थी अपने बैंक खाते का केवाईसी करवा ले। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक रोली श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि खाते की केवाइसी कराने के लिए पहली बार गर्भवती महिलाओं को अपने बैंक जाकर आईडी जमा करना होगा। इसके साथ ही अपने बैंक के आईएफसी कोड की जानकारी आशा के माध्यम से जल्द से जल्द विभाग को उपलब्ध कराना होगा। जिससे महिलाओं के खाते में जल्द से जल्द पैसा पहुंच सके। पिछले कुछ दिनों में तमाम बैंकों का विलय हो जाने के कारण कुछ बैंकों का आईएफसी कोड बदल जाने के कारण लाभाथिर्यों का भुगतान करने में विभाग को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ने बताया कि केवाईसी के लिए लीड बैंक प्रबन्धक को भी सीएमओ ने पत्र जारी कर अवगत कराया है। प्रधानमंत्री वंदना योजना में विभाग के प्रयास से जनपद को मंडल में द्वितीय स्थान का दर्जा मिला है। प्रथम बार गर्भवती होने पर इस योजना में महिला को पांच हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह धनराशि को महिला को तीन किश्तों में दिया जाता है। किसी भी सरकारी स्वास्थ्य संस्था पर 150 दिन के अन्दर गर्भधारण पंजीकरण कराने पर प्रथम किश्त के रूप में एक हजार रूपये, प्रसव से पहले एक जांच होने पर दूसरी किश्त के रूप में दो हजार रूपये एवं बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने व बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर तीसरी किश्त के रूप में दो हजार रूपये दिये जाते है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संतोष कुमार चक ने बताया कि योजना में अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभ दिलाने के लिए विभाग की ओर से लगातार हर संभव प्रसास किये जा रहे है।

सीईपीसी चुनावः जांच में 5 प्रत्याशियों का नामांकन रद्द

अखंड भारत संदेश

भदोही। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के 17 प्रशासनिक समिति के सदस्यों के होने वाले चुनाव में स्कूटनी के बाद 5 प्रत्याशियों के नामांकन रद हो गए हैं। जिन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हुआ है। उनमें चार यूपी के और एक शेष भारत से है। ऐसे लोगों का सीईपीसी प्रशासनिक समिति में पहुंचने का सपना अधूरा रह गया।नामांकन पत्रों की जांच परिषद के नई दिल्ली दफ्तर में हुई। स्कूटनी को लेकर परिषद के कार्यालय में काफी गहमागहमी रही। कुछ प्रत्याशी स्वयं वहां पर मौजूद रहे। रिटर्निंग आफिसर जगमोहन द्वारा जारी वैध प्रत्याशियों की सूची में उप्र से 18, शेष भारत से 7 और कश्मीर कोटे से 4 प्रत्याशी मैदान में हैं। जारी वैध प्रत्याशियों की सूची में उ0प्र0 कोटे के शमसुद्दीन अंसारी, पीयूष बरनवाल, अमित मौर्य और राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा शेष भारत कोटे से अशोक अग्रवाल का नाम नहीं है। सूची जारी होने के बाद इन प्रत्याशियों में खलबली मच गई। रद हुए नामों में संजय गुप्ता गुट के शमसुद्दीन अंसारी, अमित मौर्य व अशोक अग्रवाल हैं जबकि कैप्टन मुकेश गुट के पीयूष बरनवाल और राजेंद्र प्रसाद मिश्रा के नाम हैं। नामांकन रद होने से चुनाव पर असर नहीं पड़ेगा। क्योंकि यूपी से 10 सीट के मुकाबले कुल 18 लोग अभी भी मैदान में हैं। जबकि शेष भारत कोटे से 4 सीट के लिए अभी भी 7 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस की हर तरफ रही धूम

स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर अमर शहीदों को किया गया नमन

अखंड भारत संदेश

औराई/भदोही। क्षेत्र अन्तर्गत राजकीय एवं निजी संस्थानों में 75वां स्वतन्त्रता दिवस धूम धाम के साथ मनाया गया। औराई ब्लाक परिसर में ब्लाक प्रमुख बृजमोहन मिश्र विकास ने ध्वजारोहण करते हुए कहा कि यह दिन हम सभी देश वासियों के लिए सम्मान और गौरव का दिन है। हमे देश के अमर शहीदों पर नाज है। इसी तरह नगर पंचायत कार्यालय घोसियां में नगर अध्यक्ष रजिया नुमान द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी महेन्द्र कुमार ने लोगों से नगर को स्वच्छ रखने का अपील किया। इस अवसर पर चेयरमैन पति नुमान अहमद, रूखसार अहमद, संतोष कुमार, सुनील कुमार, हैदर अली सहित सभासद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसी तरह टेण्डर हार्ट्स इंगलिस स्कूल घोसियां में प्रबंधक श्रीमती कोकिल कीर्तन द्वार झंडोत्तोलन किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य एसपी विश्वकर्मा ने स्कूल के बच्चों को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएं दी है। इसी तरह पूर्व माध्यमिक विद्यालय महराजगंज में प्रधानाचार्य विनोद चन्द द्विवेदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान विद्यालय की अध्यापिका डा. माया त्रिपाठी ने पौधरोपड़ कर मिशन शक्ति फेज 2 का शुभारंभ किया। इसी क्रम में केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई के प्रांगण में 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। उक्त अवसर पर महाविद्यायालय के समस्त प्राध्यापक गण, कर्मचारी गण एवं छात्राएं उपस्थित थीं। सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वृजकिशोर त्रिपाठी ने स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वृजकिशोर त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम समस्त जनपदवासियों प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्राओं को स्वाधीनता दिवस के शुभ अवसर पर अपने वीर जवानों सैनिकों एवं वीर सेनानियों की याद में आजादी के अमृत महोत्सवमनाए जाने पर सभी को अपनी शुभकामनाएं दी। इसी तरह आदर्श बाल निकेतन जूनियर हाई स्कूल घोसियां में प्रधानाचार्य सुशील कुमार पांडेय द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

मेजा विधायक को प्रधान संगठन ने बारह सूत्रीय मांग पत्र सौपा

अखिल भारतीय प्रधान संगठन कार्यकारिणी सम्मान समारोह आयोजित

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजां। प्रयागराज मेजा ब्लाक में अखिल भारतीय प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में ब्लाक कैम्पस मेजा में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजा विधायक नीलम करवरिया और कोरांव विधायक राजमणि कोल रहे।अति विशिष्ट अतिथि प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्रा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य देशराज सिंह, प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष सुरेश चंद तिवारी,महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आरती मिश्र के पति कमल मिश्र रहे। कार्यक्रम का सफल संचाल उईन अखिल भारतीय प्रधान संगठन के जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में जहां नए कार्यकारिणी सदस्यों का मुख्य अतिथि द्वारा माला पहनाकर सम्मान किया गया। वही कार्यक्रम में प्रधानों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा हुई। अंत में प्रधान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र त्रिपाठी ने द्वय विधायकों को अपनी 12 सूत्रीय मांग पत्र देकर विधान सभा में मामले को उठाने की मांग की। प्रमुख ने कहा कि प्रधान गांव का प्रधान मंत्री होता है।कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने अपने संबोधन में प्रधानों का सम्मान बढ़ाते हुए उन्हें गांव का प्रधान मंत्री बताया।उन्होंने कहा की गांव के बाद ही विधायक व सांसद का नंबर आता है। प्रधानों के बैठने के लिए ब्लाक में व्यवस्था प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने कहा कि प्रधान हमारे परिवार के अंग है।जब तक उनके लिए बैठने की व्यवस्था नहीं हो जाती।वे उनके चेंबर में ही बैठकर कार्य करें।?कुर्की कला के प्रधान ने ए डी ओ (पंचायत) की शिकायत की और कहा कि गांव के विकास के प्रति सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता के कारण से गांव की विकास की गति बहुत धीमी और कार्य को नजरअंदाजा किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान कुर्की कला के प्रधान प्रतिनिधि मुरारी यादव ने सहायक विकास अधिकारी(पंचायत) रमाकांत पांडेय की शिकायत करते हुए कहा कि पंचायत द्वारा सफाई कमिर्यों को सुविधा शुल्क लेकर इधर से उधर ट्रांसफर करते है जिससे गांव की सफाई अधर में पड़ी रहती है।पंचायत ने इस बात से इनकार किया।कोरांव विधायक ने कुर्की कला में कल 15 अगस्त को सफाई कर्मी के साथ पहुंचने के लिए कहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक प्रतिनिधि शैलेश पांडेय, ब्लाक के समस्त प्रधान मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पुत्र की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक पर मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

महाराजगंज/भदोही। औराई थानाक्षेत्र क्षेत्र के तीउरी गांव के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहा बाइक सवार की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मौके पर पहुंची औराई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार वाराणसी जनपद के सकलपुर कपसेठी निवासी शीतला प्रसाद 55 वर्ष राष्ट्रीय राजमार्ग के दक्षिण लेन से अपनी बाइक से औराई से वाराणसी की तरफ जा रहा था। इस दौरान तिउरी गांव के पास सामने से आ रही ट्रक ने उसे जारदार धक्का मार दिया और बाइक ट्रक में फंसकर लगभग 50 मीटर तक घसीटते हुए चली गई। वहीं मौके पर ही बाइक सवार की मौत हो गई और चालक ट्रक सहित मौके पर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची औराई पुलिस परिजनों को सूचना देने के साथ ही शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा। वहीं मृतक शीतला सिंह के पुत्र तेज सिंह ने कोतवाली में अज्ञात ट्रक व चालक के खिलाफ समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है।

ग्राम पंचायत सचिवालय की मिट्टी पाटने के कार्य में पैसा मांगने पहुंचे पुलिस के जवान

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर/भदोही। अभी कुछ दिन पूर्व मोढ़ में पंचर बनाने वाले दुकानदार की पुलिस द्वारा पिटाई का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि सुरियावां क्षेत्र के पाली चौकी के अंतर्गत महजूदा गांव में ग्राम पंचायत सचिवालय की नींव भरने के लिए चल रहे कार्य में पाली पुलिस चौकी के जवान सुविधा शुल्क मांगने पहुंच गए। महजूदा के ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने आरोप लगाया कि उपजिलाधिकारी आशीष मिश्रा को जानकारी देने के उपरान्त तत्कालीन हल्का लेखपाल शैलेंद्र कुमार यादव द्वारा नाप किये जाने के बाद ग्राम समाज की जमीन से पंचायत भवन की मिट्टी पाटने का काम चल रहा था। इसी बीच पुलिस चौकी पाली के एक सिपाही द्वारा फोन पर सुविधा शुल्क मांगा गया तथा मौके पर दूसरा सिपाही पहुंच कर पैसे की मांग करने लगा। ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी कार्य कराये जाने की जानकारी देने के बाद भी पुलिस कर्मी सुविधा शुल्क लेने पर अड़े रहें। सिपाही ने जेसीबी मशीन को बंद करा दिया। ग्राम प्रधान द्वारा उच्च अधिकारियों से शिकायत की बात करने पर काफी देर के बाद मशीन सीज करने की धमकी देकर लौट गए। इस मामलें में ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की हैं।

कार्पेट एक्सपो मार्ट में हुआ ध्वजारोहण

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजां। प्रयागराज मेजा स्वतंत्रता दिवस के 75 वीं वर्षगांठ पर कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) द्वारा कार्पेट सिटी में स्थित कार्पेट एक्सपो मार्ट में झंडारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिषद के वरिष्ठ प्रशासनिक समिति के सदस्य उमेश कुमार गुप्ता मुनन ने ध्वजारोहण किया।

इस दौरान कार्पेट एक्सपो मार्ट में लगे 100 फीट ऊंचे तिरंगे झंडे का पहली बार ध्वजारोहण हुआ। परिषद के वरिष्ठ सदस्य उमेश कुमार गुप्ता मुनन ने ध्वजारोहण के बाद झंडे को सलामी दी। साथ ही देश को आजादी दिलाने वाले सभी महापुरुषों को याद किया। उन्होंने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर परिषद के प्रशासनिक समिति के सदस्य वासिफ अंसारी, राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा, श्रीराम मौर्य के साथ ही सहायक अखिलेश कुमार भारतीय, नीरज सिंह, नितिन पांडेय एवं एक्सपो मार्ट के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

मिशन शक्तिः कैंप लगाकर लोगों को किया गया जागरूक

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेशन योजना, 112 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन आदि की दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेश के क्रम सोमवार को न्याय पंचायत पिपरी में महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिये ङ्घमिशन शक्तिङ्घ के अन्तर्गत मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेशन योजना, 112 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड लाइन आदि योजना के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी भदोही, महिला शक्ति केन्द्र से जिला समन्वयक प्रियंका गुप्ता, रेशमा भारती, कुणाल गुप्ता, 1098 चाइल्ड लाइन से विनय आदि उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास द्वारा अवगत कराया गया है कि 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे जिन्होंने कोविड-19 से भिनन अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभावक को खो दिया है अथवा 18 से 23 वर्ष के ऐसे किशोर जिन्होंने कोविड या अन्य कारणों से अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक अथवा अभिभावक को खो दिया है तथा वह कक्षा 12 तक शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त राजकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से सनतक डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने हेतु शिक्षा प्राप्त कर रहे हो या नीट, जेईई, क्लैट जैसे राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाए उत्तीर्ण करने वाले अथवा जिनकी माता तलाकशुदा स्त्री या परित्यक्ता है अथवा जिनके माता-पिता या परिवार का मुख्यकर्ता जेल में है अथवा ऐसे बच्चे जिन्हें बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति/बाल वैश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार/पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराया गया हो अथवा भिक्षावृत्ति, वैश्यावृत्ति में सम्मिलित परिवारों के बच्चों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) का मुख्य उददेश्य है। इस योजना के सुगम संचालन तथा इस योजना से लाभावित होने वाले बच्चों की पात्रता के अंतर्गत गैर-संस्थागत 0 से 18 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों, माता या पिता में से किसी एक की अथवा वैध अभिभावकों की मृत्यु 01 मार्च, 2020 के पश्चात् हुई है।18 से 23 वर्ष तक की आयु के ऐसे किशोर जिनके माता-पिता दोनों, माता या पिता में से किसी एक की अथवा वैध अभिभावकों की मृत्यु हो गयी है। उनको कक्षा-12 तक शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त राजकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से सनतक डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने वाले एवं जेईई, नीट, क्लैट, जैसे राष्ट्रीय एव राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को 23 वर्ष की आयु पूरी होने या सनतक शिक्षा अथवा मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त करने में जो भी पहले हो तक इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जायेगा। केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी अन्य समरूपी योजना यथा-बाल श्रमिक विद्या योजना आदि का लाभ प्राप्त कर रहे परिवारों को उक्त योजना का लाभ नहीं दिया जा सकेगा,

सम्पादकीय

कानून की क्वॉलिटी का सवाल

संसद में बहस का न होना समस्या का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि जब बहस होती भी है तो उसका वैसा स्तर नहीं होता जो अपेक्षित है। संसद में बहस के स्तर में भी गिरावट आई है। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन वी रमना ने कहा है कि संसद में बगैर गंभीर बहस के कानून बनाने की तेज होती प्रवृत्ति न केवल कानूनों की क्वॉलिटी को प्रभावित कर रही है बल्कि न्यायपालिका पर काम का बोझ भी बढ़ा रही है। आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश के मौके पर सुप्रीम कोर्ट बार असोसिएशन की ओर से आयोजित समारोह में दिया गया जस्टिस रमना का यह संबोधन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि यह हमें याद दिलाता है कि संसदीय लोकतंत्र में शासन के कोई भी एक अंग अगर अपने कामकाज में लापरवाही बरतता है तो उसका प्रभाव शासन के अन्य अंगों पर और अंततः पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है।

जस्टिस रमना ने यह बात ऐसे समय कही, जब संसद का मॉनसून सत्र हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ कर समाप्त हुआ है। इस सत्र के दौरान करीब-करीब सारे विधेयक बिना बहस के पारित किए गए। हालांकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हैं, लेकिन इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए इनमें से कोई भी तैयार नहीं। हमेशा की तरह सत्ता पक्ष इसके लिए विपक्ष की हठधर्मिता को और विपक्ष सरकार की जिद को दोषी बता रहा है। समझने की बात यह है कि इस तरह का परस्पर दोषारोपण हालात को सुधारने में या मौजूदा स्थिति के दुष्परिणामों को कम करने में रत्ती भर भी मदद नहीं करता। चीफ जस्टिस रमना ने बाकायदा उदाहरण देकर बताया कि कैसे इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट अमेंडमेंट बिल पर बहस के दौरान सीपीएम से जुड़े तमिलनाडु के एक सांसद ने उसके संभावित दुष्परिणामों पर रोशनी डाली थी और बताया था कि इसका श्रमिकों पर बुरा असर पड़ेगा। कानून बनते समय संसद में पर्याप्त बहस न होने से यह साफ नहीं होता कि आखिर संबंधित कानून लाने के पीछे मकसद क्या है। दूसरी बात यह कि बहस के अभाव में कानूनों में संदेह और दुविधा की काफी गुंजाइश रह जाती है। इससे जहां अदालतों में याचिकाओं की संख्या बढ़ती है, वहीं कानूनों की व्याख्या करने का अदालत का काम भी कठिन हो जाता है। फिर भी, संसद में बहस का न होना समस्या का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि जब बहस होती भी है तो उसका वैसा स्तर नहीं होता जो अपेक्षित है। संसद में बहस के स्तर में भी गिरावट आई है। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों खेमों में राजनीतिक नेतृत्व को दूसरे पक्ष के मत्थे दोष मढ़ कर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेने की परिपाटी से ऊपर उठना पड़ेगा। तभी संसद की पुरानी गरिमा बहाल होगी और तभी वह कानून बनाने की अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह कर पाएगी।

75 सालों में शिक्षा का शत-प्रतिशत आंकड़ा हासिल नहीं कर पाना सरकारों की बड़ी नाकामी है

ललित गर्ग

लम्बे समय बाद देश में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं, इसी दिशा में एक अनूठी पहल है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का घोषित होना। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने तक यानी 25 वर्ष में कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने का रोडमैप है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ को भारत सरकार 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तौर पर मना रही है। एक नये आजादी के परिवेश में आगे बढ़ते हुए हमें शिक्षा के स्तर एवं शिक्षा की दर को बढ़ाने की आवश्यकता है। क्योंकि आज भी भारत में हर चौथा बच्चा स्कूली शिक्षा से वंचित है। जब हमें आजादी मिली उस समय 19 फीसदी आबादी साक्षर थी। आजादी के 75 साल बाद, साक्षर आबादी का आंकड़ा अस्सी फीसदी तक पहुंच गया है, लेकिन बीस प्रतिशत आबादी यानी लगभग 25 करोड़ अभी भी साक्षर नहीं है। देश में शिक्षा की दर बढ़ाने का अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बना रहता है, जिसके लिये सरकारें समय-समय पर कुछ प्रोत्साहन योजनाएं भी घोषित करती रहती हैं। फिर भी उनसे अपेक्षित परिणाम नहीं निकल पा रहे, तो निश्चित रूप से इसमें नीति एवं नियत में कुछ बुनियादी खामियां हैं।

75 सालों में शिक्षा का शत-प्रतिशत आंकड़ा प्राप्त न करना शासन की नाकामी है। क्योंकि राजनीति करने वाले एवं सत्ता पर काबिज होने वाले सामाजिक उत्थान यानी शिक्षा एवं चिकित्सा के लिए काम नहीं करते बल्कि उनके सामने बहुत संकीर्ण मंजिल है, ''वोटों की''। ऐसी रणनीति अपनानी, जो उन्हें बार-बार सत्ता दिलवा सके, ही सर्वोपरि है। वोट की राजनीति और सही रूप में शिक्षा एवं चिकित्सा की नीति, दोनों विपरीत ध्रुव हैं। एक राष्ट्र को जोड़ती है, शक्तिशाली बनाती है, दूसरी विघटित एवं कमजोर करती है। अपनी सब नाकामयाबियों, बुराइयों, कमियों को व्यवस्था प्रणाली की बुराइयां, कमजोरियां बताकर पल्ला झाड़ लो और साफ बच निकलो। सच तो यह है कि बुराई लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं, बुरी तो राजनीतिक प्रणाली एवं सोच है। लम्बे समय बाद देश में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं, इसी दिशा में एक अनूठी पहल है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का घोषित होना। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने तक यानी 25 वर्ष में कुछ लक्ष्यों को प्राप्त करने का रोडमैप है। भले ही खुद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने माना है कि देश के करीब पंद्रह करोड़ बच्चे और युवा औपचारिक शिक्षा से वंचित हैं। करीब पच्चीस करोड़ आबादी अब भी साक्षर नहीं हो पाई है। यह स्थिति तब है, जब शिक्षा का अधिकार कानून को लागू हुए ग्यारह साल हो चुके हैं। इस कानून के तहत चौदह साल तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का वादा है। अनिवार्य शिक्षा का तात्पर्य है कि सभी बच्चों को औपचारिक स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। यह दायित्व सरकारी, निजी और सभी धर्मादा संस्थाओं के तहत चलने वाले स्कूलों पर डाला गया है कि वे इस कानून के तह बच्चों को शिक्षा प्रदान करें। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकारें इसके लिये प्रयास कर रही हैं, लेकिन उनके प्रयासों में कमी है। यह व्यवस्थागत खामियों का ही नतीजा कहा जा सकता है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था में निजी शिक्षण संस्थाओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, शिक्षा उनके लिये व्यवसाय है, मिशन नहीं। महंगी होती शिक्षा भी हर नागरिक को साक्षर बनाने एवं शिक्षा की दर की

गिरावट का बड़ा कारण है। यों बहुत सारे मां-बाप गरीबी की वजह से अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते, कम उम्र में ही वे उनको किसी कामकाज में लगा देते हैं। इससे पार पाने के मकसद से स्कूलों में दोपहर का भोजन योजना शुरू की गई थी, ताकि बच्चों को पढ़ाई की जगह भोजन के लिए न भटकना पड़े। इसके पीछे उन्हें उचित पोषण उपलब्ध कराने की मंशा भी थी। कई राज्य सरकारों ने ऐसे बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से कुछ नकदी देने की योजना भी चला रखी है। लेकिन इन सब प्रयोगों, प्रयासों एवं योजनाओं में भ्रष्टाचार बड़ी बाधा है।

आखिर क्या वजह है कि तमाम सरकारी सुविधाएं मुहैया कराने के बावजूद गरीब परिवार अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पा रहे हैं, इन स्थितियों एवं कारणों पर गंभीरता से विचार करने एवं कठोर कदम उठाने की अपेक्षा है। इसमें केवल भूख उनकी समस्या नहीं है। सरकारी स्कूलों की कमी, उनमें संसाधनों का अभाव और जाति के आधार पर भेदभाव जैसी समस्याएं जड़ जमाए बैठी हैं। आबादी के अनुपात में अब भी पर्याप्त सरकारी स्कूल नहीं हैं। जो स्कूल हैं भी, उनमें अध्यापकों की भर्ती सालों से नहीं हो पाई है। ठेके या अस्थायी तौर पर अध्यापक रखकर काम चलाया जाता है। जो अध्यापक हैं, वे स्कूलों में कम ही उपस्थित रहते हैं। कई जगह एक ही अध्यापक सभी कक्षाओं के बच्चों को संभालता पाया जाता है। इन विसंगतिपूर्ण स्थितियों में कैसे हम शिक्षा की दर को बढ़ा पायेंगे? आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए हमें यह भलीभांति समझना होगा कि मनुष्य की मानसिक शक्ति के विस्तार हेतु शिक्षा एक अनिवार्य प्रक्रिया है। स्त्री हो या पुरुष, किसी को भी शिक्षा से वंचित रखना उसकी मानसिक क्षमता विकसित होने से रोक देना है। पूर्ण व सुचारू शिक्षा ना मिलने से महिला या पुरुष बाहर के उत्तरदायित्वपूर्ण कार्यों का भार उठाने में असमर्थ होते हैं। शिक्षा के माध्यम से अर्जित किए गए ज्ञान, कौशल और जीवन के मूल्यों के बल पर लोग समाज में परिवर्तन ला सकते हैं।

इससे आने वाली पीढ़ियों का पथ प्रदर्शन प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है। शिक्षित बच्चे एवं संपूर्ण पीढ़ी ही किसी भी राष्ट्र के भावी जीवन की आधारशिला होती है मगर ध्यान रहे, विवेकहीन शिक्षा और ज्ञान मनुष्य को पतन की ओर अग्रसर करती है। अतः जब हम विवेकपूर्ण व मानवीय मूल्यों से युक्त शिक्षा की बात करके अपने समाज पर दृष्टि डालते हैं, तो केवल साक्षर ही असहायों के दुःख-दर्द को महसूस कर यथा सामर्थ्य उनका निदान करते हैं। वहीं, समाज के संभ्रांत लोग उच्च शिक्षित डिग्री से उपाधित होकर भी अपनी आंखें मूंदकर चलते हैं। परमार्थ तो दूर की बात, वे अपने व्यंगपूर्ण तिरस्कृत शब्दों से पीड़ितों, अभावग्रस्तों की पीड़ा को बढ़ाने का काम करते हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयतन कोई शुरू करे। शिक्षा जैसी बुनियादी अपेक्षा के अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम आजादी के अमृत महोत्सव मनाते हुए प्रारंभ हो, यह अपेक्षित है। हम महसूस कर रहे हैं कि निराशाओं के बीच आशाओं के दीप जलने लगे हैं, यह शुभ संकेत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार लगातार दे रही हैं। एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति को आकार देने के लिये शिक्षा की दर को शत-प्रतिशत करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे नये राजनीतिक मूल्यों, नये विचारों, नये इंसानी रिश्तों, नये सामाजिक संगठनों, नये रीति-रिवाजों और नयी जिंदगी को आकार दिया जा सकेगा। इसी से राष्ट्रीय चरित्र बनेगा, राष्ट्र सशक्त होगा।

वियतनाम जैसी है अमेरिका की यह हार

हर्ष वी. पंत

तालिबान ने अफगानिस्तान पर बंदूक की नोक पर कब्जा किया है। यह उम्मीद गलत होगी कि काबुल पहुंचकर वे बदल जाएंगे। अब अगर अफगानिस्तान को सिविल वॉर से बचना है तो वहां राजनीतिक समझौता चाहिए होगा, मगर इसकी संभावना बहुत कम है। अभी तालिबान कह रहे हैं कि वे अफगानिस्तान के सारे पक्षों को साथ लाने के लिए तैयार हैं, लेकिन पुरानी हरकतों को देखते हुए उन पर कितना भरोसा करना चाहिए? शॉर्ट टर्म में यह तालिबान की बड़ी जीत है और वे अपनी जीत का पूरी तरह से राजनीतिक लाभ पाने की कोशिश करेंगे। वे वहां जो भी राजनीतिक ढांचा बनाएंगे, उसी पर है कि नया अफगानिस्तान कैसा होगा।

कोई नहीं था सामने

काबुल के पास सरेंडर के अलावा कोई चारा ही नहीं था। पहले तो आप देखिए कि यह पूरी दुनिया का कितना बड़ा इंटेलिजेंस फेलियर है। एक-दो दिन पहले तक अमेरिकी इंटेलिजेंस कह रही थी कि काबुल पर कब्जे में तालिबान को 30 दिन लगेंगे। 30 दिन तो क्या, इसमें 30 घंटे भी नहीं लगे। तालिबान के सामने कोई खड़ा नहीं हुआ। कोई ग्रुप ऐसा नहीं था, जो उनके विरोध में खड़ा हो जाता। तालिबान के खिलाफ जो लोग खड़े हो सकते थे, उन्हें दुनिया में कहीं से मदद नहीं मिली। तालिबान के विपक्षी अकेले खड़े थे। अशरफ गनी साहब के साथ कौन खड़ा हुआ इस दौरान? अमेरिका ने कहा कि हम तीन हजार सैनिक और भेजेंगे, जो उनके अपने लोगों को निकालेंगे। ऐसे में उनके सामने सरेंडर के अलावा चारा क्या बचा? तालिबान को जो मौका मिला, वह अमेरिका के की गलत नीतियों और बाइडन सरकार की सेना वापस बुलाने के कारण मिला। उसका उन्होंने बैटल ग्राउंड में फायदा उठाया और काबुल मिनटों में ढह गया। दो दशकों से बनाए ढांचे को खत्म होने में कुछ घंटे भी नहीं लगे। वैसे इन दो दशकों की बात पर मुझे लगता है कि अमेरिका में बड़ा राजनीतिक बवाल होने वाला है। सेना वापसी की कोशिशें तो ओबामा के वक्त से ही चल रही थीं। सबको पता था कि अमेरिका की राजनीतिक बहसों में अफगानिस्तान का मुद्दा धीरे-धीरे नीचे आ रहा था। यह साफ था कि अमेरिका धीरे-धीरे वहां अपने फुटप्रिंट्स कम करेगा। ओबामा और ट्रंप, दोनों ने सेनाएं तो कम कीं, लेकिन अफगानिस्तान में ढांचे को खत्म करने की ओर नहीं बढ़े। जब बाइडन सरकार आई तो सेक्रेटरी ऑफ स्टेट लिंकन ने अशरफ गनी को चिट्ठी लिखी कि अमेरिका अब राजनीतिक प्रक्रिया आगे बढ़ाएगा और जैसे-जैसे प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, वह सैनिक वापस बुलाएगा। लेकिन महीने भर में ही बाइडन बोले कि वह इस साल के 11 सितंबर तक सारे सैनिक वापस बुला लेंगे। नतीजतन, अमेरिका के वहां रहने या न रहने को लेकर जो अनिश्चितता थी, वह खत्म हो गई। इससे वहां एक शून्य पैदा हुआ। तालिबान ने इसी का फायदा उठाया। मुझे लगता है कि बाइडन सरकार के लिए यह बहुत बड़ी राजनीतिक हार होगी। जैसी हार वियतनाम में हुई थी, वैसी ही। वियतनाम हार का ही दूसरा नमूना हम यहां पर देख रहे हैं।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के पहले ही मामला यहां तक पहुंच गया कि अमेरिका तालिबान से कह रहा है कि वह काबुल पर भले हमला करे, लेकिन वहां मौजूद अमेरिकियों पर ना करे। इसे उनका प्रतिद्वंद्वी चीन प्रॉजेक्ट करेगा कि यह अमेरिका की कितनी बड़ी हार है और उसे परसेप्शन बनाने में इससे फायदा मिलेगा। दूसरे, चीन के पाकिस्तान के साथ जिस तरह के घनिष्ठ संबंध हैं, वह चाहेगा कि अफगानिस्तान में जिस अराजकता की संभावना बनती दिख रही है, उसका प्रभाव उसके यहां शिनच्यांग में न पड़े। चीन ने तालिबान को बुलाया भी था और तालिबान के लीडर्स वहां गए भी थे। वहां तालिबानियों ने कहा था कि वे चीन और उसके निवेश का स्वागत करते हैं, आतंकवाद के मसले पर चीन को कोई परेशानी नहीं होने देंगे। लेकिन दूरगामी परिणाम चीन के लिए भी वही होंगे, जो बाकी दुनिया के लिए होंगे। अगर कोई चरमपंथी विचारधारा अफगानिस्तान में पनप रही है और उसे बड़ी जीत मिली है तो इसका असर उसके पड़ोसी देशों सहित बाकियों पर भी पड़ेगा। विचारधारा को तो सीमा में नहीं बांध सकते।

ऐसे में यह मान लेना कि अफगानिस्तान में जो हो रहा है, वह सिर्फ वहीं तक रहे, दूसरे देशों तक न पहुंचे, यह बड़ी अस्वाभाविक बात है। इसका परिणाम चीन, पाकिस्तान और रूस सहित मध्य एशिया को झेलना ही पड़ेगा। चीन और रूस की प्राथमिकताएं बड़ी सीमित हैं। चीन चाहता है कि शिनच्यांग सुरक्षित रहे, रूस चाहता है सेंट्रल एशिया पर इसका असर ना पड़े। अभी तो तालिबान उनके मन मुताबिक वादा करके उनसे मान्यता ले लेंगे। आप देखेंगे कि चीन और रूस जल्दी ही तालिबान की सरकार को मान्यता भी दे देंगे। लेकिन दूरगामी परिणाम वही होंगे, जिनका डर है क्योंकि चरमपंथी विचारधारा को आप रोक नहीं सकते।

जैसा रवैया, वैसा रिश्ता

भारत ने हमेशा से कहा है कि जब तक अफगानिस्तान में एक रिप्रेजेंटेटिव सरकार नहीं होगी, राजनीतिक ढांचा नहीं होगा, तब तक अफगानिस्तान की समस्या बनी रहेगी, वहां शांति स्थापना या स्थिरता नहीं आ सकती। हालांकि तालिबान कह रहे हैं कि सबको साथ लेकर आएंगे। अगर वे ऐसा कर लेते हैं, तब भारत के लिए मामला आसान हो जाएगा। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो भारत के लिए बड़ी दिक्कत हो जाएगी क्योंकि उसके लिए किसी ऐसे ग्रुप को मान्यता देना बहुत मुश्किल होगा, जिसने हिंसा के जरिए सत्ता हासिल की हो और जिसकी वैधानिकता पर बड़े सवाल हों। भारत लंबे समय से कह रहा है कि संबंध तो तालिबान के रवैये पर निर्भर हैं। अगर तालिबान चरमपंथी, मानवाधिकार और स्त्री विरोधी सोच सोच अपनाता है तो भारत के लिए ऐसी सरकार को मान्यता देना बड़ा मुश्किल होगा। अगर तालिबान एक चुनी हुई सरकार बनाना चाहते हैं, काबुल और दोहा में कुछ बात आगे बढ़ती है तो मुझे लगता है कि उस स्थिति में भारत आशा कर सकता है।

जिन्ना की मान लेते तो न बंटता देश?

अंकलेसरिया अय्यर

15 अगस्त को यह खयाल उभर ही आता है कि क्या 1947 में भारत विभाजन टाला जा सकता था? कुछ लोग कहते हैं कि अंग्रेजों ने बंटवारा हम पर थोप दिया, लेकिन इतिहास का कोई भी छात्र बता देगा कि यह झूठ है। इस बारे में एक राय है, जिस पर काफी लोग यकीन करते हैं। कहते हैं कि एक तो मुहम्मद अली जिनन बहुत अड़ियल थे, दूसरी ओर कांग्रेस ने बंटवारे के खिलाफ खड़ा होने का दम नहीं दिखाया, लिहाजा देश बंट गया।

कांग्रेस हिंदुओं की पार्टी : 1909 से देश में लोकल इलेक्शन शुरू हुए। तब ब्रिटिश राज ने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचक मंडल बना दिया। मुस्लिम निर्वाचक मंडल वाले सिस्टम में मुसलमानों ने लगभग एकतरफा तौर पर मुस्लिम लीग को वोट दिया। इस पर कांग्रेस ने कहा कि यह जो अलग निर्वाचक मंडल का खेल है, राष्ट्रीय भावना के लिए बहुत नुकसानदेह है। वह खेल दरअसल जमीनी हकीकत से जुड़ा था। मुसलमानों की आबादी करीब एक तिहाई थी, लेकिन सबसे ज्यादा वोट पाने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित करने की व्यवस्था में मुसलमानों के हाथ एक तिहाई से काफी कम सीटें आतीं। उनके लिए अगल निर्वाचक मंडल बना देने से कांग्रेस का दबदबा घट गया। लाला लाजपत राय का कहना था कि सेपरेट इलेक्टोरेट के जरिए मुसलमानों के साथ सत्ता में साझेदारी असंभव है। इसके बजाय उन्होंने विभाजन का यह प्रस्ताव रख दिया। भारतीय उपमहाद्वीप का अधिकांश हिस्सा हिंदुओं को मिले। मुसलमानों को पठानों के बहुमत वाला नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रॉविंस दिया जाए। धर्म के आधार पर पंजाब का बंटवारा किया जाए और पश्चिम वाला आधा हिस्सा भी उन्हें मिले। इसी तरह धर्म के आधार पर बंगाल विभाजन हो और पूरब का आधा हिस्सा मुसलमानों को दिया जाए। साथ ही, सिंध भी उन्हें दे दिया जाए। लाला लाजपत राय ने यह प्रस्ताव रखा था 1924 में। यानी तब, जब पाकिस्तान शब्द भी नहीं गढ़ा गया था। लेकिन 1947 में जब देश बंटा, तो हूबहू इसी तरह बंटा।

शुरुआती दिनों में कांग्रेसी रहे जिनन ने 1927 में मुस्लिम संगठनों की एक ऑल इंडिया मीटिंग बुलाई। उसमें 'दिल्ली प्रस्ताव' पेश किया गया। इसमें अलग निर्वाचक मंडल की मांग नहीं की गई। इसके बजाय कहा गया कि मुसलमानों के लिए कैबिनेट की एक तिहाई सीटें रिजर्व की जाएं। साथ ही, पंजाब और बंगाल में उनकी आबादी के हिसाब से सीटें आरक्षित हों। यह मांग भी की गई कि सिंध, बलूचिस्तान और नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर प्रॉविंस में नए प्रांत बनाए जाएं। शुरू में तो कांग्रेस ने ये प्रस्ताव मान लिए, लेकिन हिंदू महासभा के मदन मोहन मालवीय ने कड़ी आपत्ति की। कांग्रेस उनके आगे झुक गई और एक सुनहरा मौका हाथ से निकल गया। फिर 1928 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक रिपोर्ट जारी की गई। कहा गया कि अलग निर्वाचक मंडल तो न बनाया जाए, लेकिन आबादी के लिहाज से मुसलमानों के लिए सीटें रिजर्व की जाएं। यह भी कहा गया कि न तो केंद्र सरकार में इनके लिए कोई रिजर्व सीट हो और न ही पंजाब और बंगाल में धर्म के आधार पर सीटें रिजर्व की जाएं। सांप्रदायिक आधार पर रिजर्वेशन होने पर दोनों राज्यों में मुस्लिम बहुमत ही होता। बंटवारे का दर्द आज भी सीने को छलनी करता है, जानिए पीएम मोदी के संबोधन बड़ी बातें इसके बाद जिनन ने एक प्रस्ताव रखा डीसेंट्रालाइज्ड फेडरल इंडिया का, जिसमें सभी प्रांतों को एकसमान स्वायत्तता मिले। साथ ही, अलग निर्वाचक मंडल बनाए जाएं और प्रांतीय और केंद्र सरकारों में एक तिहाई कैबिनेट मंत्री मुस्लिम समुदाय के हों।साफ था कि कांग्रेस और जिनन की राय एक नहीं थी। दोनों ही ओर से मतभेद बढ़ते गए। इतिहासकार के के अजीज कहते हैं कि 1931 से 1940 के बीच विभाजन के जो 33 प्रस्ताव आए, उनमें से केवल 15 प्रस्ताव मुसलमानों ने दिए। बंटवारा तमाम हिंदू भी चाहते थे।

भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत प्रांतों में चुनाव कराने और सरकारें बनाने की व्यवस्था की गई। 1937 में हुए इन चुनावों में कांग्रेस का बोलबाला रहा। इतिहासकार पेरी एंडरसन कहते हैं कि इसके बाद नेहरू को लगा कि असल राजनीतिक लड़ाई अब कांग्रेस और अंग्रेजों के बीच है, मुस्लिम लीग और रजवाड़े इस जंग में हाशिए पर हैं। कांग्रेस पार्टी के सदस्यों में तब भी 97 फीसदी हिंदू थे। मुस्लिमों के लिए आरक्षित सीटों में से 90 फीसदी पर कांग्रेस को मुसलमान उम्मीदवार ही नहीं मिले। रिजर्व कैटिगरी की सीटों पर मुस्लिम लीग ने एकतरफा जीत दर्ज की। 1945-46 में जब चुनाव हुए, तब प्रांतों की 495 मुस्लिम सीटों में से 446 पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। मुसलमानों के लिए तय की गई हर सेंट्रल सीट भी उसके खाते में ही गई। बाकी सीटों पर एक बार फिर कांग्रेस का जादू चला। पर अफसोस की बात यह रही कि वे नतीजे पूरी तरह सांप्रदायिक तस्वीर दिखा रहे थे।

टैक्स पर लीग से ठनी : बहरहाल एक अंतरिम कैबिनेट बनी। नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया गया और लियाकत अली को वित्त मंत्री। लियाकत ने जो बजट बनाया, उसमें उद्योगपतियों पर भारी टैक्स लगा दिया। अधिकतर कांग्रेसियों ने इसे हिंदू विरोधी रुख करार दिया क्योंकि ज्यादातर उद्योगपति हिंदू थे। हालांकि टैक्स की मार पारसियों और ईसाइयों पर भी पड़ी। और हां, ताकतवर टाटा घराने पर भी। कई कांग्रेसी कहने लगे कि मुस्लिम लीग के साथ काम करना असंभव है। नौबत यहां तक आ गई कि जो कांग्रेस 1945 तक कहती थी कि देश बांटने की बात सोची भी नहीं जा सकती, उसी कांग्रेस ने 1947 में माउंटबेटन का प्रस्ताव तुरंत मान लिया। जिनन ने जो प्रस्ताव रखे थे, उनके तहत कांग्रेस अगर सत्ता में साझेदारी को राजी हो गई होती तो उस खौफनाक बंटवारे से बचा जा सकता था। लेकिन एक सवाल यह भी है कि तब देश में फिरकापरस्ती जड़ें जमा रही थी और ऐसे में क्या अविभाजित भारत एक गृह युद्ध में फंस जाता? हां, शायद ऐसा हो सकता था। लिहाजा मेरी नजर में बंटवारा ही सबसे अच्छा उपाय था। लेकिन वह भारत पर थोपा नहीं गया। अगर जिनन उसके लिए अड़े थे तो नेहरू भी पीछे नहीं थे। उन्होंने भी वह विकल्प चुना ही था।

काबुलः भारत की बोलती बंद क्यों है?

पिछले दो हफ्तों से मैं बराबर लिख रहा हूं और टीवी चैनलों पर बोल रहा हूं कि काबुल पर तालिबान का कब्जा होने ही वाला है लेकिन मुझे आश्चर्य है कि हमारा प्रधानमंत्री कार्यालय, हमारा विदेश मंत्रालय और हमारा गुप्तचर विभाग आज तक सोता हुआ क्यों पाया गया है ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से बहुत लंबा-चौड़ा भाषण दे डाला और 15 अगस्त को जिस समय उनका भाषण चल रहा था, तालिबान काबुल के राजमहल (काखे-गुलिस्तां) पर कब्जा कर रहे थे लेकिन ऐसा नहीं लगा कि भारत को ज़रा-सी भी उसकी चिंता है। अफगानिस्तान में कोई भी उथल-पुथल होती है तो उसका सबसे ज्यादा असर पाकिस्तान और भारत पर होता है लेकिन ऐसा लग रहा था कि भारत खर्राटे खींच रहा है जबकि पाकिस्तान अपनी गोटियाँ बड़ी उस्तादी के साथ खेल रहा है। एक तरफ वह खून-खराबे का विरोध कर रहा है और पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और अशरफ गनी के समर्थक नेताओं का इस्लामाबाद में स्वागत कर रहा है और दूसरी तरफ वह तालिबान की तन, मन, धन से मदद में जुटा हुआ है बल्कि ताजा खबर यह है कि अब वह काबुल में एक कमाचलाऊ संयुक्त सरकार बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत की बोलती बिल्कुल बंद है। वह तो अपने डेढ़ हजार नागरिकों को भारत भी नहीं ला सका है। वह सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है लेकिन वहाँ भी उसके नेतृत्व में सारे सदस्य जबानी जमा-खर्च करते रहे।मेरा सुझाव था कि अपनी अध्यक्षता के पहले दिन ही भारत को अफगानिस्तान में संयुक्तराष्ट्र की एक शांति-सेना भेजने का प्रस्ताव पास करवाना था। यह काम वह अभी भी करवा सकता है। कितने आश्चर्य की बात है कि जिन मुजाहिदीन और तालिबान ने रूस और अमेरिका के हजारों फौजियों को मार गिराया और उनके अरबों-खरबों रुपयों पर पानी फेर दिया, वे तालिबान से सीधी बात कर रहे हैं लेकिन हमारी सरकार की अपंगता और अकर्मण्यता आश्चर्यजनक है। मोदी को पता होना चाहिए कि 1999 में हमारे अपहृत जहाज को कंधार से छुड़वाने में तालिबान नेता मुल्ला उमर ने हमारी सीधी मदद की थी। प्रधानमंत्री अटलजी के कहने पर पीर गैलानी से मैं लंदन में मिला, वाशिंगटन स्थित तालिबान राजदूत अब्दुल हकीम मुजाहिद और कंधार में मुल्ला उमर से मैंने सीधा संपर्क किया और हमारा जहाज तालिबान ने छोड़ दिया। तालिबान पाकिस्तान के प्रगाढ़ ऋणी हैं लेकिन वे भारत के दुश्मन नहीं हैं। उन्होंने अफगानिस्तान में भारत के निर्माण-कार्य का आभार माना है और कश्मीर को भारत का आतंरिक मामला बताया है। हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला हमारे मित्र हैं। यदि वे तालिबान से सीधी बात कर रहे हैं तो हमें किसने रोका हुआ है? अमेरिका ने अपनी शतरंज खूब चतुराई से बिछा रखी है लेकिन हमारे पास दोनों नहीं है। न शतरंज, न चतुराई !

- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारतीय मेंस और महिला हॉकी टीम का ओडिशा में गर्मजोशी से हुआ स्वागत

भुवनेश्वर (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय मेंस और महिला हॉकी टीमों का ओडिशा में शानदार स्वागत किया गया। भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर दोनों टीमों का स्वागत करने के लिए प्रदेश के खेलमंत्री टी के बहेड़ा और भारतीय मेंस हॉकी टीम के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की मौजूद थे। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग बसों में होटल ले जाया गया, जहां आराम करने के बाद वे अभिनंदन समारोह में भाग लेंगे। इसमें मुख्यमंत्री नवीन पटनायक भी मौजूद होंगे। कार्यक्रम के अनुसार टीम होटल में लंच करेगी और फिर पत्रकारों से बातचीत के बाद कलिंगा स्टेडियम रवाना होगी। कलिंगा स्टेडियम पर दोनों टीमों का मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के साथ फोटो सेशन होगा। शाम को लोकसेवा भवन में पटनायक टीमों को सम्मानित करेंगे। कलिंगा स्टेडियम पर डिनर में दोनों टीमों के साथ मुख्यमंत्री मौजूद होंगे। ओलंपिक नायकों का स्वागत करने के लिए पूरे शहर में पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाए गए थे।शंखनाद, फूलमालाओं और टीका लगाकर खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इसके अलावा ओडिशा के पारंपरिक और लोक नृत्य समूहों ने कार्यक्रम पेश किए। शहर के लोग भी सड़कों के दोनों ओर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए जमा थे। ओडिशा सरकार 2018 से भारतीय हॉकी टीमों की ऑफिशियल प्रायोजक है। मेंस टीम ने टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद भारत के लिए पदक जीता।

नीरज चोपड़ा को चूरमा तो पीवी सिंधु को मिली आइसक्रीम की पार्टी

भारतीय ओलंपिक दल से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश का मान बढ़ाकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खास मुलाकात की। इस मौके पर मोदी ने खिलाड़ियों के बातचीत की और फिर सभी के साथ ब्रेकफास्ट भी किया। ओलंपिक 2020 में देश को गोल्ड मेडल दिलाने वाले नीरज चोपड़ा को उनका फेवरेट चूरमा परोसा गया, जबकि पीवी सिंधु को प्रधानमंत्री ने आइसक्रीम की पार्टी दी। वहीं, 41 साल के सूखे को खत्म करके ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम ने मोदी को ऑटोग्राफ की गई हॉकी स्टिक गिफ्ट की।

इस बार का ओलंपिक भारत के लिए यादगार रहा और देश ने पहली बार कुल 7 मेडल अपने नाम किए। पीएम मोदी ने एक-एक खिलाड़ी के साथ मिलकर बातचीत की और खिलाड़ियों के मेडल के साथ फोटो भी खिंचवाई। इससे पहले प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर ओलंपिक खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा था, 'ओलंपिक में भारत का

नाम रोशन करने वाली युवा पीढी , ऐसे हमारे एथलीट , हमारे खिलाड़ी आज इस आयोजन में हमारे बीच में हैं। कुछ यहां है और कुछ सामने बैठे हैं। मैं आज देशवासियों को , जो यहां मौजूद है उनको भी और हिंदुस्तान के कोने कोने में जो इस समारोह में मौजूद हैं ,उन सभी को मैं कहता हूं कि हमारे खिलाड़ियों के लिए आइए कुछ पल तालियां बजाकर उनका सम्मान करें। एथलीटों पर विशेष तौर पर हम ये गर्व कर सकते हैं कि उन्होंने हमारा दिल ही नहीं जीता है लेकिन उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को भारत की युवा पीढी को प्रेरित करने का बहुत बड़ा काम किया है। भारत की तरफ से नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में 100 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए ट्रैक एंड फील्ड में देश को पहला मेडल दिलाया।

उन्होंने अपना गोल्ड मेडल दिग्गज धावक मिल्खा सिंह को समर्पित किया था। फाइनल में नीरज ने 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर गोल्ड पर कब्जा किया था। उनके अलावा, रवि दहिया ने कुश्ती में और मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में देश को सिल्वर मेडल दिलाया था। वहीं, पीवी सिंधु, बजरंग पूनिया, लवलीना ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। भारतीय हॉकी टीम ने भी 41 साल के सूखे को खत्म करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता था। महिला हॉकी टीम का प्रदर्शन भी ओलंपिक 2020 में बेहद शानदार रहा था और वह पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी।

टोक्यो ओलंपिक के बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में रो पड़ीं जापान की टेनिस स्टार नाओमी ओसाका

मेसन (एजेंसी)। मानसिक स्वास्थ्य कारणों से फ्रेंच ओपन से नाम वापिस लेने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेनिस स्टार नाओमी ओसाका आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं। सिनसिनाटी ओपन से पहले कॉन्फ्रेंस में एक स्थानीय रिपोर्टर ने उनसे पूछा कि शोहरत और मीडिया से संबंधों में संतुलन कैसे बनाती हैं, इस पर ओसाका ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि कैसे संतुलन बनाया जाए। मैं कोशिश कर रही हूं जैसे कि आप लोग कर रहे हैं। टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों से पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की बात इसके बाद एक पत्रकार ने उनसे टेनिस से जुड़े सवाल पूछे तो उनके आंसू बहने लगे। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन यह जापानी खिलाड़ी कुछ देर के लिए कमरे से बाहर भी गई और फिर आकर पूरी कॉन्फ्रेंस खत्म की। उन्होंने कहा है कि वे सिनसिनाटी ओपन में अपनी पुरस्कार राशि हैती के भूकंप पीड़ितों को दान देंगी। उन्होंने सोमवार को कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उतना नहीं कर पा रही हूं। मैं सोच रही हूं कि और क्या कर सकती हूं।

ओलंपिक की तरह टोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए भी दर्शकों को नहीं मिलेगी एन्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक की तरह पैरालंपिक खेलों के दौरान भी स्टेडियम में प्रशंसकों को आने की अनुमति नहीं होगी। यह जानकारी आयोजकों ने सोमवार को दी। ओलंपिक के दौरान टोक्यो के बाहरी क्षेत्रों हुए खेल आयोजनों में कुछ प्रशंसकों को अनुमति दी गई थी लेकिन इस बार किसी भी खेल के लिए दर्शकों को आने की अनुमति नहीं होगी। कुछ कार्यक्रमों में हालांकि बच्चों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने लोगों से सड़क पर आयोजित होने वाले खेल (मैराथन और पैदल चाल जैसे इवेंटस) को देखने के लिए नहीं आने को कहा है। यह फैसला इंटरनेशनल पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष एंड्रयू पार्सन्स, आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो, तोक्यो के गवर्नर युरिको कोइके और ओलंपिक मंत्री तामायो मारुकावा की बैठक में लिया गया। पैरालंपिक खेलों का आयोजन 24 अगस्त से होगा जिसमें लगभग

4,400 खिलाड़ी भाग लेंगे। ओलंपिक में 11,000 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया था। पैरालंपिक खेलों से पहले टोक्यो में नए केस के मामले बढ़ गए हैं और इससे खिलाड़ियों के भी पॉजिटिव होने का खतरा है।

पार्सन्स ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ओलंपिक (पैरालंपिक) के मद्देनजर कोताही बरतने के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, ' टोक्यो और व्यापक तौर पर जापान में मौजूदा मामलों (कोविड-19 से संक्रमण) की संख्या को देखते हुए, इन खेलों में भाग लेने वाले सभी लोगों को सतर्क रहना चाहिए।' ओलंपिक के 17 दिनों के दौरान टोक्यो में नए संक्रमण तीन गुना तक बढ़ गये लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा कि यह बढ़ोतरी खेलों की वजह से नहीं हुई थी। महामारी की स्थिति खराब होने के साथ जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने सोमवार को कहा कि टोक्यो और अन्य क्षेत्रों में आपातकाल की स्थिति को 12 सितंबर तक बढ़ा दिया जाएगा।

दाएं घुटने की तीसरी सर्जरी के साथ खत्म हो सकता है रोजर फेडरर का टेनिस करियर

बासेल (एजेंसी)। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर दाहिने घुटने के तीसरे ऑपरेशन के कारण अमेरिकी ओपन नहीं खेलेंगे और उन्हें कई महीने टेनिस से दूर रहने के बावजूद वापसी की मामूली सी ही सही लेकिन उम्मीद है। फेडरर ने रविवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो मैसेज के जरिए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई डॉक्टरों को दिखाया और हर तरह की जानकारी ली। मेरा घुटना ग्रासकोर्ट सीजन और विम्बलडन के दौरान और चोटिल हो गया। उन्होंने मुझे कहा कि सर्जरी की जरूरत है और मैंने उनकी राय मानने का फैसला किया। मैं कई सप्ताह तक बैसाखियों पर रहूंगा और कई महीनों टेनिस से दूर भी।' बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन 40 साल के फेडरर ने स्वीकार किया कि शायद उनका करियर पूरा हो चुका है, लेकिन कहा कि वह एक और वापसी के लक्ष्य के साथ घुटने का इलाज करा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं स्वस्थ रहना चाहता हूं। मैं खुद को उम्मीद की एक किरण देना चाहता हूं कि टूर पर वापसी कर सकूंगा। मैं प्रैक्टिकल हूं। मुझे पता है कि इस उम्र में यह कितना मुश्किल है।' फेडरर 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद लगभग एक साल टेनिस से इसी वजह से दूर रहे। वह मई में फ्रेंच ओपन के जरिए लौटे और तीन जीत के बाद नाम वापस ले लिया। विम्बलडन में वह क्वार्टर फाइनल में हार गए और घुटने की चोट की वजह से टोक्यो ओलंपिक नहीं खेले। सीजन का आखिरी ग्रैंडस्लैम अमेरिकी ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा।

टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों से पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए टोक्यो 2020 पैरालंपिक खेलों में भाग लेने जा रहे पैरा एथलीट दल के साथ बातचीत की। बता दें कि इस बार कुल 9 खेल इवेंट के 54 पैरा एथलीट देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए टोक्यो जाएंगे। यह पैरालंपिक खेलों में भाग लेने वाला अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल है। इस बातचीत के दौरान केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भी मौजूद थे। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी के कारण ओलंपिक की तरह पैरालंपिक खेलों के दौरान भी स्टेडियम में फैन्स को आने की परमिशन नहीं होगी। यह जानकारी आयोजकों ने सोमवार को दी। ओलंपिक के दौरान टोक्यो के बाहरी क्षेत्रों में हुए खेल आयोजनों में कुछ फैन्स को परमिशन दी गई थी, लेकिन इस बार किसी भी खेल के लिए दर्शकों को आने की परमिशन नहीं होगी। कुछ कार्यक्रमों में हालांकि बच्चों के भाग लेने की संभावना जताई जा रही है।

गौरतलब है कि पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से शुरू होंगे और पांच सितंबर तक जारी रहेंगे। इस बार लगभग 4,400 खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले ओलंपिक में 11,000 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया था। पैरालंपिक खेलों से पहले टोक्यो में नए संक्रमण के मामले बढ़ गए हैं और इससे खिलाड़ियों के भी संक्रमित होने का खतरा है। महामारी की स्थिति खराब होने के साथ जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने सोमवार को कहा कि टोक्यो और अन्य क्षेत्रों में आपातकाल की स्थिति को 12 सितंबर तक बढ़ा दिया जाएगा। आपातकाल की स्थिति 12 जुलाई से लागू है और इस महीने के अंत में समाप्त होनी थी।

'60 ओवर भी इंग्लैंड को नर्क जैसे लगने चाहिए', कप्तान विराट कोहली की स्पीच हुई वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 151 रन से हराकर अपनी बड़ी जीत दर्ज की है। भारत की लार्ड्स मैदान पर अब तक की यह तीसरी जीत है और इस जीत के बाद भारत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से आगे हो गया है। भारत ने मैच के पांचवें और आखिरी दिन सोमवार को इंग्लैंड के सामने 60 ओवर में 272 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की टीम को 52वें ओवर में ही 120 रन पर ढेर कर दिया भारत की जीत के बाद सोशल मीडिया पर 60 ओवर काफी ट्रेंड हो रहा है क्योंकि कप्तान कोहली ने इंग्लैंड की दूसरी पारी शुरू होने से पहले 60 ओवर को लेकर एक स्पीच दी थी।

दरअसल उन्होंने यह स्पीच उस समय दी थी जब भारतीय टीम 272 रनों का बचाव करने को उतर रही थी। तभी कोहली अपने टीम साथियों से कुछ कहते हुए नजर आ रहे थे। कोहली का यह स्पीच सोशल मीडिया काफी वायरल हो रहा है। लॉर्ड्स टेस्ट में टीम इंडिया की जीत के बाद विराट कोहली का एक वीडियो सुखिर्यों में छाया हुआ है। इस वीडियो में भारतीय कप्तान कोहली अपने टीम साथियों के साथ गले मिलकर कुछ चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान कोहली को 'इंग्लैंड को नर्क जैसा महसूस होना चाहिए' कहते हुए सुना जा सकता है। कोहली ने आगे कहा, '60 ओवर इंग्लैंड को नर्क जैसा महसूस होना चाहिए।' कैप्टन कोहली का यह स्पीच सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। कोहली का यह स्वीच काफी कारगर साबित हुआ और इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज पहले ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान जो रूट ने

कुछ देर तक टिकने की कोशिश की, लेकिन वह भी 33 रनों के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज (32 रन देकर चार विकेट), जसप्रीत बुमराह (33 रन देकर तीन विकेट), इशांत शर्मा (13 रन देकर दो विकेट) और मोहम्मद शमी (13 रन देकर एक विकेट) जीत के नायक रहे।

'जसप्रीत बुमराह को देख जो रूट ऐसे रिएक्ट करने लगे जैसे सांड लाल कपड़े को देखकर करता है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक तरफ लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर भारतीय टीम की जमकर वाहवाही हो रही है, वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को जीत के नजदीक आकर हारने से अपने देश में ही जमकर सुनना पड़ रहा है। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट ने उनकी बल्लेबाजी की दिल खोलकर तारीफ की है, लेकिन साथ ही साथ उनकी रणनीति पर जमकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि रूट की रणनीति की वजह से ही जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी इंग्लिश गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बटोर पाए और अपनी टीम को मैच में आगे ले जा पाए। उन्होंने कहा कि, 'रूट ने बुमराह और शमी के खिलाफ डिफेंसिव फील्ड सजाकर दोनों बल्लेबाजों को रन बटोरने का मौका दे दिया, जिसकी वजह से दोनों के बीच 89 रनों की अटूट पार्टनरशिप हो गई।

भारतीय टीम की जर्सी पहन कर बीच मैदान में पहुंचा इंग्लिश फैन, बोला- मैं भारत के लिए खेलने वाला पहला गोरा व्यक्ति हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने लार्ड्स टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 151रन से हरा दिया। लार्ड्स मैदान पर अब तक की अपनी तीसरी जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 की बढ़त ले ली है। मैच में जहां एक तरफ भारत की जीत की चर्चा जोरों पर थी, तो वहीं दूसरी ओर एक ऐसा भी इंग्लिश क्रिकेट फैन था, जिसकी हरकतें सोशल मीडिया पर छाई हुई थी। दरअसल यह फैन भारतीय टीम की जर्सी पहने हुआ था। इतना ही नहीं, मैच के चौथे दिन इस जर्सी को पहनकर वह सुरक्षा घेरा को तोड़ते हुए बीच स्टेडियम में आ पहुंचा। बीच मैदान पर पहुंचने के बाद वह ऐसा व्यवहार कर रहा था, मानो वह टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में है और वो खेल रहा है।

इंग्लिश फैन का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में वह मैदान के अंदर मौजूद है और अपना जावी बता रहा है। उसने 69 नंबर की भारतीय टेस्ट जर्सी पहनी थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैन के मैदान में घुसने के बाद सिक्योरिटी ने उसे बाहर निकालने की बहुत कोशिश की, लेकिन फैन सिक्योरिटी को बता इशा करके बता रहा था कि भारतीय टीम का ही खिलाड़ी है। फैन सिक्योरिटी गार्ड से कहा रहा था, ' मुझे गर्व है कि मैं भारत के लिए खेलने वाला पहला इंग्लैंड का व्यक्ति हूं।' बाद में सिक्योरिटी ने उस फैन को स्टेडियम से बाहर निकाला और फिर जाकर खेल शुरू हुआ। जब फैन को बाहर ले जाया जा रहा था तो मोहम्मद सिराज जोर जोर से हंस रहे थे। बाद में जावी नामक इस फैन ने ट्विटर पर लिखा, ' हां, मैं वही जावी हूं जो पिच पर गया था। मुझे गर्व है कि मैं भारत के लिए खेलने वाला पहला इंग्लैंड का व्यक्ति हूं।' भारत ने दूसरी पारी में मोहम्मद शमी (नाबाद 56) और जसप्रीत बुमराह (नाबाद 34) के बीच नौवें विकेट के लिए हुई 89 रनों की अटूट साझेदारी के दम पर आठ विकेट पर 298 रन बनाकर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत ने मैच के पांचवें और आखिरी दिन सोमवार को इंग्लैंड के सामने 60 ओवर में 272 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की टीम को 52वें ओवर में ही 120 रन पर ढेर कर दिया। भारत की खतरनाक गेंदबाजी के आगे इंग्लैंड के आठ बल्लेबाज दोहरे अंकों में भी नहीं पहुंच पाए।

टीम की हार पर भड़के पूर्व इंग्लिश कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट, बोले- इस मामले में इंग्लैण्ड बेवकूफ दिखी

लंदन (एजेंसी)। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ज्योफ्री बॉयकॉट का मानना है कि भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड अपनी रणनीति में बेवकूफ दिखी और उसने भावनाओं को अपने ऊपर हावी होने दिया। लॉर्ड्स टेस्ट मैच के पांचवें दिन की शुरुआत मजबूत स्थिति में करने के बाद भारत के शानदार खेल के कारण इंग्लैंड को 151 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच के दौरान दोनों टीमें के खिलाड़ियों के बीच बहस भी हुई और भारत ने अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाकर इन परिस्थितियों का फायदा उठाया, जबकि इंग्लैंड की टीम ऐसा करने में नाकाम रही। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' के अपने कॉलम में लिखा, 'इस टेस्ट मैच ने दो बातें साबित की हैं। सबसे पहले, अगर आप बेवकूफ हैं तो आप टेस्ट मैच जीतने के लायक नहीं हैं। हम जो रूट को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए जितना प्यार करते हैं, उन्होंने अपनी रणनीति से उतना ही निराशा किया।' उन्होंने कहा, 'दूसरा, इंग्लैंड अपने सभी रनों के लिए सिर्फ जो (रूट) पर निर्भर नहीं रह सकता है। स्थिति अब मजाक से परे होते जा रही है और टॉप तीन बल्लेबाजों को बहुत जल्द सुधार करना होगा। बता दें कि भारतीय पारी के दौरान जब जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी बल्लेबाजी कर रहे थे तो इंग्लैंड ने फील्डिंग फैला दी। इन दोनों तेज गेंदबाजों ने बल्ले से कमाल करते हुए 89 रनों की अटूट पार्टनरशिप की, जिससे इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के 272 रन का लक्ष्य मिला। भारत ने जब पारी घोषित की तब इंग्लैंड को लगभग 60 ओवर के लिए बल्लेबाजी करनी था। मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, ईशांत शर्मा और मोहम्मद शमी की धारदार गेंदबाजी के सामने उसकी टीम 120 रन पर ऑलआउट हो गई।

काबुल एयरपोर्ट के काम करने तक जारी रहेगी एअर इंडिया की सेवा, वतन लौट कर बोले राजदूत- अभी भी कई लोग वहां मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में अस्थिरता के हालात बनने के बाद ही भारत ने ऐलान कर दिया था कि वो काबुल से अपने राजदूत और अन्य सरकारी अधिकारियों को वापस बुला लेगा। जिसके बाद कई सरकारी कर्मचारियों को वहां से निकाला भी गया है। एयर इंडिया इस अहम जिम्मेदारी को निभा रही है। हालांकि, अभी भी भारत के कई नागरिक अफगानिस्तान में मौजूद हैं। भारतीय राजदूत रुपेंद्र टंडन ने मंगलवार को कहा कि एयर इंडिया काबुल से अपनी विमान सेवा को तब तक चालू रखेगा जब तक कि काबुल एयरपोर्ट क्रियाशील है। रुपेंद्र टंडन और कुछ अन्य राजनयिक स्टाफ मंगलवार को ही भारत पहुंचे। बीते रविवार को अफगान की गनी सरकार के सरेंडर के बाद भारत ने अपने सभी राजदूतों और अन्य सभी कर्मचारियों को काबुल मिशन से वापस बुलाने का फैसला किया था। बता दें कि यह दूसरा मौका है जब भारत ने अपनी एंबेसी बंद की है। इससे पहले

1996 में भी तालिबान की वजह से बने हालात के कारण ही भारत को अपनी एंबेसी बंद करनी पड़ी थी। सोमवार और मंगलवार को करीब 200 भारतीय अधिकारी और सुरक्षा कर्मी दो ग्रुपों में काबुल से बाहर आए। भारतीय अधिकारी और सुरक्षा से जुड़े स्टाफ ण-17 मिलिट्री एयरक्राफ्ट के जरिए काबुल से निकले थे। हालांकि जब दूसरा ग्रुप वहां से निकल रहा था तब एयरपोर्ट पर उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। क्योंकि तालिबान ने वहां चेक प्वाइंट बना रखा था। अधिकारियों को लेकर ण-17 विमान गुजरात के जामनगर में उतरा। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए रुपेंद्र टंडन ने कहा कि 'हम लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है क्योंकि अभी भी कुछ भारतीय नागरिक वहां मौजूद हैं। इसलिए एयर इंडिया काबुल से कर्मशियल सेवाएं तब तक जारी रखेगा जब तक एयरपोर्ट कार्यशील है।' राजदूत ने बताया कि 'भारत ने काबुल में एयरपोर्ट की स्थिति को देखते हुए अस्थाई तौर पर अपने विमानों को रद्द कर दिया है। हालांकि, हम यह निश्चित हो जाना चाहते हैं कि कोई भारतीय वहां फंसा तो नहीं और अगर ऐसा है तो हम उसे किसी भी कीमत पर वहां से लाएंगे। इसके लिए विदेश मंत्रालय ने हेल्प डेस्क भी बनाया है। रुपेंद्र टंडन ने कहा कि 'डिप्लोमैटिक स्टाफ के वहां से निकल जाने के बावजूद भारत, अफगानिस्तान के लोगों के संपर्क में है। ऐसा नहीं है कि हमने अफगानिस्तान के लोगों को छोड़ दिया है। उनका कल्याण और उनके साथ हमारा संबंध हमेशा ही हमारे दिमाग में रहता है। हम कोशिश करते रहेंगे कि उनसे हमारी बातचीत होती रहे।' टंडन ने कहा कि सुरक्षित घ? लौटने के बाद भारतीय काफी खुश है। भारत के करीब 192 लोग काबुल में थे और अब सभी सही सलामत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि वहां कई ऐसे भारतीय थे जो अफगानिस्तान में बदलते हालात की वजह से तनाव में थे। इसलिए हमारी नीति थी कि जो कोई भी एंबेसी तक पहुंच सके उसे एंबेसी में रखा जाए। हमें नहीं पता कि था कि वो एंबेसी के अंदर कैसे मैनेज करेंगे, लेकिन हम इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि वो सुरक्षित हैं और वो वहां से बाहर निकलने का एक रास्ता है।

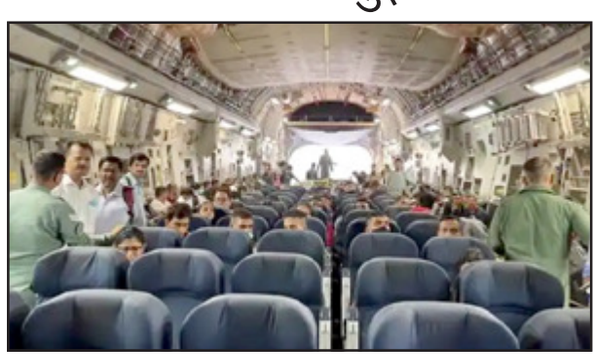

काबुल से दिल्ली पहुंचा वायुसेना का सी-17 विमान, 100 से अधिक राजनयिकों की हुई वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद वहां खराब होते सुरक्षा हालात के मद्देनजर भारत अफगानिस्तान में अपने राजदूत और भारतीय दूतावास के अपने कर्मचारियों के साथ-साथ पत्रकारों को एक सैन्य विमान से दिल्ली लाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सी-17 विमान पहले गुजरात के जामनगर में रूका उसके बाद दोपहर 1.30 बजे नई दिल्ली पहुंचा। विमान में अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत रुद्रेंद्र टंडन भी सवार थे। अफगानिस्तान से जामनगर पहुंचने पर राजदूत टंडन ने कहा एयरपोर्ट पर कहा कि आपके स्वागत का हम सब पर प्रभाव पड़ता है। भारतीय वायुसेना का धन्यवाद, जिन्होंने असमान्य परिस्थितियों में उड़ान भरी। बता दें कि भारतीयों को निकालने के लिए अफगानिस्तान से भारत आने वाला यह दूसरा

विमान है। इससे पहले, काबुल में विमान सेवा निलंबित होने से पहले एक अन्य सी-19 विमान के जरिए सोमवार को कुछ भारतीय दूतावास कर्मियों समेत करीब 40 लोगों को अफगानिस्तान से भारत लाया गया था। विमान के जामनगर में पहुंचने से पहले गुजरात के खाद्य और नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह जडेजा ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि जो लोग विमान में सवार थे उन्हें पहले दोपहर का भोजन दिया जाएगा और फिर उनके गंतव्य तक ले जाया जाएगा। गुजरात सरकार के हवाले से पीटीआई ने कहा कि तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी व्यक्तिगत रूप से अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों और अधिकारियों को निकालने पर नजर रख रहे हैं।

कोरोना की वैक्सीन, रोजगार की गारंटी बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना के खिलाफ टीका लगवाकर प्रवासी श्रमिक काम की तलाश में अपने राज्यों से निकल रहे हैं. महामारी के दौरान कई लाख लोग बेरोजगार हो गए थे.जैसे ही स्वास्थ्य कर्मचारी ने कार्तिक बिस्वास की बांह पर कोरोना का टीका लगाया, कार्तिक ने राहत की लंबी सांस ली. कार्तिक केरल के उन लोगों में शामिल हैं जो समाज के सबसे हाशिए पर हैं-प्रवासी मजदूर. राज्य की सरकारें भारत के एक बड़े तबके को वैक्सीन देने की कोशिश में जुटी हुईं हैं, जिसे प्रवासी श्रमिक के तौर पर भी जाना जाता है. हाल के हफ्तों में दक्षिणी तटीय राज्य के अधिकारी कार्यस्थलों पर कोरोना का टीका उपलब्ध करा रहे हैं।अधिकारी कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग टीका लें. इसके लिए टीकाकरण केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, शिविर लगाए जा रहे हैं और स्थानीय भाषाओं में जन स्वास्थ्य के पोस्टर लगाए जा रहे हैं. इन सब के जरिए प्रवासी श्रमिकों को वायरस से बचने करने का आग्रह किया जा रहा है. रोजगार मिलना आसान 44 साल के बिस्वास कहते हैं, ठमैं लॉकडाउन के दौरान एक साल के लिए घर पर था और मुझे बहुत मुश्किल के बाद नौकरी मिली है. अगर मेरी तबीयत खराब होती तो मेरे परिवार का कौन ख्याल रखेगा। मैं टीका लगवाने के लिए दृढ़ थाठ बार-बार तालाबंदी ने उद्योग-धंधे को बंद ठप्प कर दिया, जिससे लाखों लोगों की नौकरी चली गई, जबकि मई में कोरोना की दूसरी लहर ने भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को प्रभावित किया।

पेगासस जासूसीः सरकार को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने दी कुछ बातों को गुप्त रखने की छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइली सॉफ्टवेयर पेगासस से कथित जासूसी की जांच को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया और कहा कि इस पर सार्वजनिक बहस नहीं हो सकती है। सर्वोच्च अदालत ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए 10 दिन बाद दोबारा इस विचार करने की बात कही है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी साफ किया कि सरकार को ऐसा कुछ खुलासा करने की जरूरत नहीं है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हो। चीफ जस्टिस एन वी रमण, जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस अनिरुद्ध बोस की तीन सदस्यीय बेंच ने यह टिप्पणी सरकार के यह कहने के बाद की कि हलफनामे में सूचना की जानकारी देने से राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा जुड़ा है। पीठ ने कहा कि उसने सोचा था कि सरकार एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करेगी लेकिन इस मामले में सिर्फ सीमित हलफनामा दाखिल किया गया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह 10 दिन बाद इस मामले को सुनेगी और देखेगी कि इसमें क्या प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।

केंद्र का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ

को बताया कि सरकार ने सोमवार को दाखिल हलफनामे में अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया था। मेहता ने पीठ को बताया, ''हमारी प्रतिक्रिया वही है जो हमने सम्मानपूर्वक अपने पिछले हलफनामे में दी थी। कृपया इस मामले को हमारे नजरिए से देखें क्योंकि हमारा हलफनामा पर्याप्त है। भारत सरकार देश की सर्वोच्च अदालत के सामने है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने हलफनामे में कहा था कि वह वह सभी पहलुओं के निरीक्षण के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करेगी और यह समिति शीर्ष अदालत के सामने अपनी रिपोर्ट देगी। उन्होंने कहा, ''छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और इस मामले से राष्ट्रीय सुरक्षा का पहलू जुड़ा है।'' मेहता ने कहा कि यह मामला ''सार्वजनिक बहस का मुद्दा'' नहीं हो सकता और विशेषज्ञों की समिति शीर्ष अदालत को रिपोर्ट देगी।

मेहता ने कहा, ''यह एक संवेदनशील मामला है जिसे संवेदनशीलता से निपटा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि सरकार इस्तेमाल किए जा रहे सुरक्षा तंत्र के बारे में जानकारी सार्वजनिक तौर पर नहीं दे सकती है। पीठ ने मेहता से कहा कि वह ऐसी कोई चीज नहीं चाहती जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हो। अगर सक्षम प्राधिकार हमारे सामने हलफनामा दायर करे तो इसमें क्या परेशानी है। हम राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में कोई शब्द नहीं चाहते।'' मेहता ने कहा कि वह यह नहीं कह रहे कि सरकार किसी को कुछ नहीं बताएगी और दलील यह है कि वह इसे सार्वजनिक तौर पर नहीं कहना चाहती। सिब्बल बोले- हम भी नहीं चाहते ऐसी कोई बात मामले में याचिका दायर करने वाले वरिष्ठ पत्रकार एन राम और शशि कुमार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह नहीं चाहते कि केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालने वाली किसी भी जानकारी का खुलासा करे।

अफगान संकट पर खान अब्दुल गफ्फार खान की पोती ने की पीएम मोदी से अपील

कोलकाता (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद भारत में रहने वाले अफगानी अपने परिवारों को लेकर चिंतित है। बीते 1-2 दिनों से स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। खान अब्दुल गफ्फार खान की पोती और अखिल भारतीय पख्तून जिरगा-ए-हिंद के अध्यक्ष यास्मीन निगार खान ने आज कोलकाता में कहा कि तालिबान ने बिना किसी लड़ाई के सत्ता संभाल ली है। यास्मीन निगार खान ने कहा, ''तालिबान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वे अभी कुछ कह सकते हैं और अगले दिन कुछ और कर सकते हैं। हम सिर्फ पीएम मोदी और बाकी दुनिया से अपील कर सकते हैं कि जिस तरह से उन्होंने सीरिया, फिलिस्तीन और अन्य युद्धग्रस्त देशों की देखभाल की, उन्हें अफगानिस्तान को भी देखना चाहिए।'आपको बता दें कि तालिबान के एक अधिकारी ने अफगानिस्तान में सभी के लिए 'आम माफी का ऐलान करते हुए महिलाओं से सरकार में शामिल होने की गुजारिश की। इस्लामी अमीरात संस्कृति आयुक्त के सदस्य ईनामुल्लाह समनगनी ने मंगलवार को अफगान के सरकारी टीवी पर यह टिप्पणी की जो अब तालिबान के कब्जे में है। उन्होंने कहा, ड्ड इस्लामी अमीरात नहीं चाहता है कि महिलाएं पीडि़ति हों।ड्ड तालिबान अफगानिस्तान के लिए इस्लामी अमीरात का इस्तेमाल करता है। समनगनी ने कहा, सरकार का ढांचा पूरी तरह से साफ नहीं है, लेकिन हमारे तजुर्बे के आधार पर, इसमें पूर्ण इस्लामी नेतृत्व होना चाहिए और सभी पक्षों को इसमें शामिल करना चाहिए।

गैर मुस्लिम से शादी इस्लाम में अमान्यः एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने अंतर्धार्मिक विवाह को रोकने के लिए मुसलमानों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है. इसमें दूसरे धर्म में शादी को अमान्य बताया गया है.एडवाइजरी कहती है कि लड़के-लड़कियों के मोबाइल पर नजर रखी जानी चाहिए, लड़कियों को सिर्फ महिला विद्यालय में पढ़ाना चाहिए और उनकी जल्दी शादी की जानी चाहिए. बहुत सी मुस्लिम महिलाओं ने इस तरह की एडवाइजरी को हास्यापद बताया है. इसी महीने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने यह एडवाइजरी जारी की है. इसके पीछे गैर मज़हब में शादी के बढ़ते मामलों को वजह बताया गया है. इस एडवाइजरी में अंतर्धार्मिक विवाह को मुद्दा बनाया गया है लेकिन मुस्लिम लड़कियों के लिए कई बातें हैं जैसे उनके मोबाइल पर नजर रखे जाने की जरूरत, गर्ल्स कॉलेज में पढ़ना, लड़कियों की जल्दी शादी इत्यादि. एडवाइजरी

के अनुसार, इन मामलों में जहां मुस्लिम लड़कियों ने गैर मुस्लिम लड़के से शादी कर ली उनकी बाद की ज़िन्दगी बड़ी तकलीफ से गुजरी. इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारी सचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने सात सूत्रीय एडवाइजरी जारी की है. क्यों जारी हुई एडवाइजरी? इस एडवाइजरी में मुख्यतः इस बात को समझाया गया है कि एक मुसलमान लड़की का निकाह मुसलमान लड़के के साथ ही हो सकता है. वैसे ही, लड़का भी गैर मुस्लिम लड़की से शादी नहीं कर सकता। अगर कर भी ले, तो इस प्रकार की शादी इस्लामिक शरिया द्वारा अमान्य होगी. एडवाइजरी में मुस्लिम विद्वानों को ताकीद की गई है कि इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए युवाओं को 'जागरूक' करें. मौलानाओं से कहा गया है कि वे जुमे में ऐसी बातों के दीनी नुकसान बताएं व लोगों में ये जागरूकता लाई जाए कि उन्हें अपने बच्चों की परवरिश किस तरह से करनी चाहिए. एडवाइजरी में ये भी बताया गया है कि लड़के-लड़कियों के मोबाइल पर गहरी नज़र रखी जाए. इसके अलावा जहां तक हो सके, लड़कियों को लड़कियों के स्कूल में पढ़ाने की कोशिश करे।

कोरोना की तीसरी लहर की आहट? महाराष्ट्र और केरल से घिरे कर्नाटक में एक महीने में बढ़े 90 प्रतिशत केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे वक्त से देश में कोरोना के दो केंद्र रहे केरल और महाराष्ट्र की सीमा से लगने वाले कर्नाटक के हाल भी बिगड़ने लगे हैं। एक महीने के भीतर ही यहां इलाजरत मरीजों की संख्या में 90 फीसदी का इजाफा हुआ है। हाल में राज्य सरकार ने संकेत दिए कि वे संक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में तालाबंदी कर सकते हैं ताकि हालात और न बिगड़ें।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में एक महीने

के भीतर इलाजरत मरीजों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। यहां 14 जुलाई को इलाजरत मरीजों की संख्या 1,933 थी जो बीते 14 अगस्त को 90 फीसदी बढ़कर 3682 हो गई। राज्य में अब तक 29.29 मरीज संक्रमित हो चुके हैं और 22,497 मरीजों की मौत हो चुकी है। अभी संक्रमण दर एक फीसदी है लेकिन कुछ इलाकों जैसे दक्षिणी कनन्ड़ में यह दर 4 फीसदी से ऊपर चली गई है। हालांकि राज्य में तेजी से टीकाकरण हुआ है, जिससे अफसरों को भरोसा है कि संक्रमण बढ़ने पर भी वे टीकाकरण के बल पर हालात को काबू में ला सकते हैं।मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि संक्रमण के मामले इसलिए तेजी से बढ़ रहे हैं क्योंकि माइक्रो कंटेंटमेंट जोन नहीं बनाए गए।

माओवादियों पर कड़े प्रहार का असर, पहली बार प्रभावित जिलों की संख्या 70 से नीचे, गृह मंत्रालय ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन दशकों में पहली बार वामपंथी माओवाद (एलडब्लूयूई) से प्रभावित जिलों की संख्या 10 राज्यों में तेजी से घटकर 70 हो गई है, जिसमें बिहार, ओडिशा और झारखंड में सबसे बड़ा सुधार दिखाई दे रहा है। गृह मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। इनमें से आठ राज्यों के केवल 25 जिलों को अब ठसबसे अधिक प्रभावितठ के रूप में देखा जा रहा है। एचटी द्वारा एक्सेस की गई गृह मंत्रालय की संशोधित सूची के अनुसार, उत्तर प्रदेश अब माओवाद से मुक्त है। दो महीने पहले तक, 11 राज्यों के लगभग 90 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, जिन्हें सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) के तहत केंद्रीय सहायता मिली थी, जबकि सात राज्यों के 30 जिलों को ठसबसे

अधिक प्रभाविताठ के रूप में वर्गीकृत किया गया था।एक अधिकारी ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कुल मिलाकर, वामपंथी उग्रवाद की घटनाओं में 70ज्ञ् की कमी आई है जो 2009 में 2,258 के उच्चतम स्तर से 2020 में 665 हो गई है। इसी तरह, सुरक्षा बलों और नागरिकों की मृत्यु के अब तक के उच्चतम स्तर से 80ज्ञ् की कमी आई है। 2010 में मौत का जो आंकड़ा 1,005 था वह 2020 में 183 हो गया। गृह मंत्रालय ने सुरक्षा स्थिति में सुधार, हिंसा में कमी और विकास कार्यों पर विचार करते हुए 1 जुलाई से सूची को संशोधित करने का निणय लिया। सूची के अनुसार, 10 राज्यों में केवल 70 जिले प्रभावित हैं और एसआरई योजना के अंतर्गत आते हैं।

युगांडा जैसे गरीब देश में शरण को मजबूर अफगानी, अमेरिका के कहने पर 2,000 लोगों को रखने को तैयार

कंपाला (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद वहां के नागरिक देश छोड़ना चाह रहे हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि अफगानियों

को अब युगांडा जैसे गरीब देशों में शरण लेना पड़ रहा है। युगांडा ने मंगलवार को कहा कि उसने अमेरिका के अनुरोध पर अफगानिस्तान के 2000 शरणार्थियों को अस्थाई रूप से अपने देश में रखने के लिए तैयार हो गया है। पूर्वी अफ्रीकी राष्ट्र युगांडा के पास विवादित लोगों और भगौड़ों को शरण देने का पुराना अनुभव है। युगांडा अपने यहां दुनिया भर के कई देशों के लगभग 14 लाख से अधिक शरणार्थियों को जगह दे रखा है। इसमें अधिकांश दक्षिण सूडान से हैं। युगांडा के राहत व आपदा मंत्री एस्तेर अन्याकुन डेविनिया ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि सोमवार को अमेरिकी सरकार की ओर से किए गए अनुरोध के बाद राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने 2000 अफगानियों को लाने के आदेश दिया है। मंत्री ने कहा कि इससे पहले कि अमेरिकी सरकार उन्हें कहीं और बसाए वे यहां तीन महीने के लिए अस्थायी रूप से रहने वाले हैं। हालांकि, मंत्री ने यह नहीं बताया कि 2000 अफगानी युगांडा कब पहुंचेंगे।

ताइवान में दिखे अमेरिकी सैनिक तो चीन उन्हें अपनी ताकत से कुचल देगा, ड्रैगन ने दी बड़ी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉन कॉर्निन अमेरिकी सीनेटर हैं। उन्होंने 17 जुलाई को एक ट्वीट करते हुए दावा किया कि आज की तारीख में ताइवान में 30 हजार और साउथ कोरिया में 28 हजार अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं। यह सुनकर चीन भड़क गया है। ग्लोबल टाइम्स चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का भोंपू अखबार है।

अखबार ने अपने एक संपादकीय में लिखा है कि अगर ऐसा है तो चीनी सरकार और चीनी जनता इसे कभी नहीं स्वीकार करेगी। अखबार ने लिखा है, 'ताइवान में अमेरिकी सैनिकों के होने से उन समझौतों का गंभीर उल्लंघन होता है जब चीन और अमेरिका ने अपने बीच डिप्लोमैटिक संबंध स्थापित किए थे। यह गंभीर तौर पर अंतर्राष्ट्रीय कानून के साथ ही अमेरिकी घरेलू कानून के उलट है। यह एक तरह से ताइवान पर सैन्य आक्रमण और

कब्जे के बराबर है। यह एक तरह से चीन से युद्ध की घोषणा करना है। एक अखबार ने लिखा है कि हमें पता चला है कि जॉन कॉर्निन ने ताइवान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या को गलत समझा है। ताइवान में अमेरिकी सैनिकों की संख्या 1969 तक 30 हजार पहुंची थी। टाइम्स से बात करते हुए एक एनालिस्ट ने कहा है कि कॉर्निन का ट्वीट चीन को टेस्ट करने के लिए जानबूझकर उठाया गया कदम है। अगर ऐसा भी है तो भी यह हमारे लिए अस्वीकार्य है। चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने कॉर्निन के ट्वीट पर अमेरिकी और ताइवान सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की है। अगर ताइवान में वाकई 30 हजार या उससे कम अमेरिकी सैनिक भी हैं तो यह बहुत गंभीर स्थिति है। अमेरिकी सैनिकों को बिना शर्त ताइवान से हट जाना चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत बिहरिया विकासखंड शंकरगढ़ प्रयागराज

पत्रांक मेमो 17.8. 2021

अल्पकालीन निविदा 2021-22

वित्तीय वर्ष 2021-22 में मनरेगा/ राज्य वित्त/ 15 वित्त योजना के अंतर्गत निमनलिखित निर्माण कार्यो को कराने/ सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत बिहरिया में पंजीकृत ठेकेदारों/सामग्री आपूर्तिकर्ताओं से निविदाएं सील बंद लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 18.8.2021 से 20.8. 2021 को दोपहर 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। दिनांक 20.8.2021 को दोपहर 3 बजे गठित समिति के समक्ष निविदा खोला जाएगा। नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय में कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

क्रमांक 1.	मद योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत लाख में	निविदा मूल्य
	मनरेगा	ग्राम बिहरिया, में अशोक के घर से पवन पयासी के घर तक इंटरलॉकिंग रोड एवं नाली का निर्माण	3.99 लाख रू.	500 रू.
2.	मनरेगा	ग्राम बिहरिया में कल्लू के घर से दीना महराज के घर तक इंटरलॉकिंग रोड एवं नाली का निर्माण	3.99 लाख	500 रू.

राजेंद्र कुमार मौर्य
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बिहरिया
विकास खंड - शंकरगढ़,
प्रयागराज

विजय लक्ष्मी सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बिहरिया
विकास खंड - शंकरगढ़,
प्रयागराज